RNI-UPHIN/2009/30721

दिल्ली
अधिकतम तापमान 34 डिग्री
न्युनतम तापमान 27 डिग्री
एनसीआर
अधिकतम तापमान 33 डिग्री
न्युनतम तापमान 26 डिग्री

शनिवार 13 सितंबर 2025
सुर्योदय प्रातः 06 :05 बजे
सूर्यास्त सांय 18 : 30 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 श्रद्धापूर्वक किया गया कार्य ही श्राद्ध है

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष : 16 | अंक : 329 | गाजियाबाद, शनिवार 13 सितंबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

शपथ ग्रहण करने के बाद सीपी राधाकृष्ण ने राज्यसभा के सभापति का कार्यभार संभाला

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। सीपी राधाकृष्णन ने भारत के 15वें उपराष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। राष्ट्रपति भवन में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सीपी राधाकृष्णन को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसके बाद सीपी राधाकृष्णन ने राज्यसभा के सभापति का कार्यभार संभाला। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने शुक्रवार को औपचारिक रूप से राज्यसभा के सभापति का पदभार ग्रहण किया। साथ ही एक्स पर सीपी राधाकृष्णन के पदभार ग्रहण करते हुए तस्वीरें भी शेयर की गई हैं। इससे पहले उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने राजघाट पर महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की तथा राष्ट्रपिता और उनके सत्य एवं अहिंसा के शाश्वत आदर्शों का सम्मान किया। उन्होंने सदैव अटल में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

नेपाल में हुए विरोध प्रदर्शनों में 51 लोगों की मौत की पुष्टि : पुलिस

✷ वेबवार्ता. काठमाडू ✷। नेपाल में गत सोमवार से शुरु हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान मरने वालों की संख्या बढ़कर 51 हो गयी है। काठमांडू पोस्ट ने सोशल मीडिया एक्स पर यह जानकारी दी है। इसमें कहा गया है कि नेपाल पुलिस के सह-प्रवक्ता, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रमेश थापा ने शुक्रवार को बताया कि मरने वालों में 47 नेपाली नागरिक, तीन पुलिसकर्मी, एक भारतीय नागरिक शामिल हैं। मृतकों में से 36 के शव महाराजगंज स्थित त्रिभुवन विश्वविद्यालय शिक्षण अस्पताल में रखे गये हैं। यहां इन शवों का पोस्टमार्टम हुआ था।

दिल्ली हाईकोर्ट में बम की धमकी अफवाह साबित हुयी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। दिल्ली उच्च न्यायालय में शुक्रवार सुबह बम रखे होने की धमकी मिलने के बाद पूरे परिसर की गहन जांच करायी गयी जिसमें यह धमकी अफवाह साबित हुई। दिल्ली उच्च न्यायालय को ईमेल के जरिये धमकी मिली थी कि परिसर में तीन बम रखे गये है और इनमें अपराह्न दो बजे तक विस्फोट हो सकता है। पुलिस ने यह सूचना मिलने पर तुरंत अदालत को खाली कराया और पूरे परिसर की जांच की गयी। जांच में कहीं भी विस्फोटक या बम नहीं पाया गया। पुलिस के मुताबिक, यह मेल आज पूर्वाह्न आठ बजकर 38 मिनट पर 'कनिमोझी थेविद्या ' नाम से दिल्ली हाईकोर्ट के आधिकारिक ईमेल आईडी पर भेजा गया था। मेल में पाकिश्तान और तमिलनाडु के आतंकी लिंक की बात कही गयी थी और कहा गया था कि न्यायालय में न्यायाधीशों के कमरों में और परिसर में बम रखे गये हैं। ईमेल मिलते ही कोर्ट प्रशासन अलर्ट हुआ और दिल्ली पुलिस को सूचना दी। सूचना पर बम निरोधक दश्ता, स्पेशल सेल और साइबर सेल की टीम मौके पर पहुंचकर जांच की। जजों, अधिवक्ताओं और कोर्ट में उपस्थित लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया और पूरे परिसर को खाली कराया गया।

भारत के 15वें उपराष्ट्रपति बने सीपी राधाकृष्णन

राष्ट्रपति ने दिलाई शपथ

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

चंद्रपुरम पोन्नुसामी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को भारत के 15वें उपराष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार सुबह राष्ट्रपति भवन में एक संक्षिप्त समारोह में 67 वर्षीय राधाकृष्णन को शपथ दिलाई। लाल कुर्ता पहने राधाकृष्णन ने ईश्वर के नाम पर अंग्रेजी में शपथ ली।

राधाकृष्णन के शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जेपी नड्डा, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू समेत कई नेता मौजूद रहें।

पूर्व उपराष्ट्रपतियों हामिद अंसारी और वेंकैया नायडू ने भी समारोह में शिरकत की। धनखड़ भी शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। उपराष्ट्रपति पद से इश्तीफा देने के बाद वह पहली बार सार्वजनिक रूप से नजर आए।

राधाकृष्णन ने मंगलवार को हुए उपराष्ट्रपति चुनाव में संयुक्त विपक्ष के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी को 152 मतों के अंतर से हराकर जीत हासिल की थी। जगदीप धनखड़ के 21 जुलाई को स्वास्थ्य कारणों से अचानक उपराष्ट्रपति पद से इश्तीफा देने के कारण यह चुनाव आवश्यक हो गया था।

सीपी राधाकृष्णन का परिचय

1957 में तमिलनाडु के तिरुप्पुर में जन्मे राधाकृष्णन ने बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में स्नातक की पढ़ाई की। वे आरएसएस के स्वयंसेवक के तौर पर सार्वजनिक जीवन में आए और 1974 में जनसंघ की राज्य कार्यकारिणी समिति के सदस्य बने।

1996 में उन्हें भाजपा का राज्य सचिव बनाया गया और दो साल बाद, 1998 में, वे पहली बार कोयंबटूर से लोकसभा पहुंचे। 1999 में वे दोबारा सांसद बने।

सांसद रहते हुए उन्होंने कपड़ा संबंधी संसदीय स्थायी समिति की अध्यक्षता की और वित्त संबंधी परामर्शदात्री समिति सहित कई समितियों में अहम जिम्मेदारियां निभाईं। वे स्टॉक एक्सचेंज घोटाले की जांच करने वाली संसदीय विशेष समिति के सदस्य भी रहे।

संयुक्त राष्ट्र महासभा को किया संबोधित

2004 में वे संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करने वाले भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा बने। उसी वर्ष वे ताइवान गए पहले संसदीय प्रतिनिधिमंडल में भी शामिल रहे।

2004 से 2007 तक उन्होंने भाजपा तमिलनाडु इकाई की अध्यक्षता की। इस दौरान उन्होंने 93 दिन तक चली 19,000 किलोमीटर लंबी रथयात्रा निकाली, जिसमें नदियों को जोड़ने, आतंकवाद उन्मूलन, समान नागरिक संहिता और नशामुक्ति जैसे मुद्दे प्रमुख रहे।

2016 में उन्हें कोच्चि स्थित कॉयर बोर्ड का अध्यक्ष बनाया गया, जहां उनके नेतृत्व में कॉयर निर्यात 2,532 करोड़ रुपये के उच्चतम श्तर तक पहुंचा। 2020 से 2022 के बीच वे केरल भाजपा के प्रभारी भी रहे।

कई राज्यों के रह चुके हैं राज्यपाल

18 फरवरी 2023 को उन्हें झारखंड का राज्यपाल नियुक्त किया गया। उन्होंने कार्यकाल की शुरुआती चार महीनों में राज्य के सभी 24 जिलों का दौरा किया।

सुप्रीम टिप्पणी : नीति सिर्फ दिल्ली के लिए नहीं, पटाखों पर भार में प्रतिबंध लगे

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

सुप्रीम कोर्ट ने वायु प्रदूषण को लेकर शुक्रवार को कड़ी टिप्पणी की। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) बी.आर. गवई ने कहा कि अगर दिल्ली-एनसीआर (एनसीआर) के लोगों को स्वच्छ हवा का अधिकार है, तो दूसरे शहरों के निवासियों को क्यों नहीं? उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रदूषण नियंत्रण की नीतियां सिर्फ राजधानी तक सीमित नहीं रह सकतीं, बल्कि पैन-इंडिया श्तर पर लागू होनी चाहिए।

बेंच की सुनवाई के दौरान, जिसमें जस्टिस के. विनोद चंद्रन भी शामिल थे, सीजेआई बी.आर. गवई ने पटाखा निर्माताओं की उस याचिका पर विचार किया, जिसमें दिल्ली-एनसीआर में पटाखों की बिक्री और निर्माण पर पूरे साल के लिए लगे प्रतिबंध को चुनौती दी गई थी। बेंच ने कहा, 'हम दिल्ली के लिए अलग नीति नहीं बना सकते, सिर्फ इसलिए क्योंकि वहां देश का संभ्रांत वर्ग रहता है।'

सीजेआई ने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए बताया, 'मैं पिछले साल सर्दियों में अमृतसर गया था। वहां प्रदूषण की स्थिति दिल्ली से भी बदतर थी। अगर पटाखों पर प्रतिबंध लगाना है, तो यह पूरे देश में लगना चाहिए।'

कोर्ट ने यह टिप्पणी तब की जब एमिकस क्यूरिए एडवोकेट अपराजिता सिंह ने दिल्ली में

सर्दियों के दौरान प्रदूषण की भयावह स्थिति का जिक्र किया।

उन्होंने कहा कि दिल्ली एक लैंडलॉक्ड शहर है, जहां हवा में प्रदूषक फंस जाते हैं, जिससे स्थिति चोकिंग लेवल तक पहुंच जाती है। लेकिन, सिंह ने स्वीकार किया कि एलीट वर्ग प्रदूषण के चरम दिनों में शहर छोड़ देता है।

कोर्ट ने सवाल उठाया कि क्या नीतियां सिर्फ अमीरों के लिए बनाई जा रही हैं? बेंच ने स्पष्ट किया कि सभी नागरिकों को स्वच्छ हवा का समान अधिकार है, चाहे वे किसी भी शहर में रहें।

इसी सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने एक अन्य याचिका पर एक्शन लिया, जिसमें पटाखों पर पूरे देश में प्रतिबंध लगाने की मांग की गई थी।

कोर्ट ने कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट (सीएक्यूएम) को नोटिस जारी किया और दो हफ्तों में जवाब मांगा। यह नोटिस दिल्ली-एनसीआर में मौजूदा प्रतिबंध के खिलाफ दायर याचिकाओं के संदर्भ में भी जारी किया गया।

इस्तीफे के बाद पहली बार नजर आए जगदीप धनखड़

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

देश के नए उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन का आज शपथ समारोह था। उन्होंने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली।

इस मौके पर उनसे पहले उपराष्ट्रपति रहे जगदीप धनखड़ भी पहुंचे, जिनके 22 जुलाई को अचानक इश्तीफा देने के बाद पद खाली हुआ था और फिर 9 सितंबर को चुनाव हुआ। यह पहला मौका था, जब इश्तीफे के बाद जगदीप धनखड़ सार्वजनिक तौर पर नजर आए।

उनके अलावा पूर्व राष्ट्रपति वेंकैया नायडू और हामिद अंसारी भी शपथ समारोह में पहुंचे। इश्तीफे के बाद से ही जगदीप धनखड़ देखे नहीं गए थे और विपक्ष की ओर से लगातार सवाल दागे जा रहे थे कि आखिर वह कहां हैं और कैसे हैं। जगदीप धनखड़ के समारोह में पहुंचने पर गृहमंत्री अमित शाह से उनकी भेंट हुई और शाह ने उनका अभिवादन किया। उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई ने भी धनखड़ से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना। वहीं जब श्री राधाकृष्णन शपथ ग्रहण के लिए पहुंचे तो धनखड़ ने खड़े होकर उनका अभिवादन किया।

राजनीतिक दलों की पारदर्शिता विवाद : SC का चुनाव आयोग को नोटिस

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

सुप्रीम कोर्ट ने पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राजनीतिक दलों के पंजीकरण और विनियमन के लिए व्यापक नियम बनाने का निर्देश देने की मांग वाली एक जनहित याचिका पर शुक्रवार को चुनाव आयोग को नोटिस जारी करने के साथ ही मान्यता प्राप्त सभी राष्ट्रीय राजनीतिक दलों को पक्षकार बनाने का निर्देश दिया।

न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने अश्विनी कुमार उपाध्याय की याचिका पर संबंधित आदेश पारित किया। पीठ ने सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता से कहा, 'हम नोटिस जारी करेंगे लेकिन एक समस्या उत्पन्न हो सकती है कि हमने राजनीतिक दलों को पक्षकार नहीं बनाया है। वे कहेंगे कि आप (याचिकाकर्ता) उन्हें विनियमित करने के लिए कह रहे हैं और वे यहाँ नहीं हैं।'

याचिका में दावा किया गया है कि दसवीं अनुसूची के तहत संवैधानिक स्थिति और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 29ए के तहत वैधानिक मान्यता के बावजूद, राजनीतिक दलों के आंतरिक कामकाज, पारदर्शिता या जवाबदेही को विनियमित करने के लिए कोई व्यापक कानून मौजूद नहीं है।

याचिकाकर्ता की यह भी दलील है कि राजनीतिक दल आयकर अधिनियम की धारा 13ए के तहत कर छूट के अलावा दूरदर्शन/आकाशवाणी पर मुफ़्त प्रसारण समय सहित सरकार की ओर से उपलब्ध कई सुविधाएं लेते हैं, फिर भी वे अनियमित हैं। याचिका में मुख्य रूप से मांग की गयी है कि चुनाव आयोग को राजनीतिक दलों के पंजीकरण और विनियमन के लिए नियम बनाने का निर्देश दिया जाए।

राहुल गांधी का गुजरात दौरा, बोले- देश में सबसे बड़ा मुद्दा वोट चोरी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी एक बार फिर गुजरात के दौरे पर पहुंचे। केशोद पहुंचने पर मीडिया ने जब उनसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया मणिपुर दौरे पर सवाल किया तो उन्होंने कहा, "बहुत समय से वहां पर समस्या है, ठीक है, अब जा रहे हैं।" इसके बाद राहुल गांधी ने जोर देकर कहा कि देश का असली मुद्दा वोट चोरी है।

उन्होंने आरोप लगाया कि हरियाणा और महाराष्ट्र में चुनाव चोरी हुए और कर्नाटक में कांग्रेस ने इसका विरोध कर दिखाया। राहुल ने दावा किया कि आज हर जगह लोग भाजपा को "वोट चोर" कहकर संबोधित कर रहे हैं।

राहुल गांधी इस बार गुजरात प्रदेश कांग्रेस समिति (जीपीसीसी) के प्रशिक्षण शिविर में शामिल होने के लिए पहुंचे हैं। यह शिविर जूनागढ़ में आयोजित किया गया है, जिसमें वे जिला अध्यक्षों और पार्टी पदाधिकारियों को संबोधित करेंगे। कांग्रेस का मानना है कि गुजरात में भाजपा से सीधी टक्कर के लिए संगठन को नए सिरे से मजबूत करना जरूरी है। राहुल गांधी इस अभियान को "नई कांग्रेस" की तैयारी से जोड़कर देख रहे हैं।

राहुल गांधी का गुजरात दौरा

इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शिविर का शुभारंभ किया था। खरगे ने अपने संबोधन में कहा कि "दो गुजरातियों ने देश को आजादी दिलाई और एक किया, लेकिन अब गुजरात से दिल्ली गए दो लोग आजादी छीन रहे हैं और लोकतंत्र को खत्म करना चाहते हैं।"

खरगे का इशारा महात्मा गांधी और सरदार पटेल के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर था। कांग्रेस का यह प्रशिक्षण शिविर ऐसे समय में हो रहा है जब गुजरात में आने वाले महीनों में नगर निगम और नगर पालिका चुनाव होने वाले हैं। कांग्रेस नेतृत्व का मानना है कि यदि संगठनात्मक ढांचे को मजबूत किया जाए तो भाजपा को चुनौती दी जा सकती है। राहुल गांधी का लगातार गुजरात दौरा यह संकेत है कि कांग्रेस राज्य में अपनी पकड़ फिर से मजबूत करने के प्रयास में जुटी है।

एचएएल अगले महीने दो 'तेजस मार्क-1ए' लडाकू विमानों की करेगा आपूर्ति, हमलावर भूमिकाओं के लिए किया गया डिजाइन

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

सरकारी एयरोस्पेस कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) अगले महीने भारतीय वायुसेना को दो 'तेजस मार्क-1ए' लड़ाकू विमान सौंपेगी। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। एचएएल ने कहा कि उसे अमेरिकी रक्षा कंपनी 'जीई एयरोस्पेस' से एक जेट इंजन मिला है और इस महीने के अंत तक एक और इंजन मिल जाएगा जो दोनों लडाकू विमानों के लिए उपयोगी होंगे।

फरवरी 2021 में, रक्षा मंत्रालय ने भारतीय वायुसेना के लिए 83 तेजस एमके-1ए विमानों की खरीद के वाश्ते एचएएल के साथ 48,000 करोड़ रुपये का सौदा किया था। लड़ाकू विमानों की आपूर्ति में देरी मुख्य रूप से इसलिए हो रही है क्योंकि जीई एयरोस्पेस ने जेट विमानों के संचालन के जिए जरूरी अपने एयरो इंजन की आपूर्ति नहीं की है।

अधिकारियों ने बताया कि एचएएल अगले महीने भारतीय वायुसेना को दो तेजस एमके-1ए जेट विमान उपलब्ध कराएगा, क्योंकि एक जीई 404 इंजन आ चुका है। दूसरे की इस महीने के अंत तक आपूर्ति की जाएगी।

HAL के एक प्रवक्ता ने कहा कि एचएएल को एलसीए एमके1ए के लिए तीसरा जीई404 इंजन मिल गया है। एक और इंजन सितंबर के अंत तक मिलने वाला है। इंजन आपूर्ति श्रृंखला में सुधार से एलसीए एमके1ए विमानों की आपूर्ति का मार्ग प्रशश्त होगा। पिछले महीने सरकार ने लगभग 67,000 करोड़ रुपये की लागत से 97 तेजस लड़ाकू विमानों के एक अतिरिक्त बैच को मंजूरी दी थी।

एकल इंजन वाला एमके-1ए भारतीय वायुसेना के मिग-21 लड़ाकू विमानों का स्थान लेगा। भारतीय वायुसेना इन युद्धक विमानों को शामिल करने पर विचार कर रही है, क्योंकि इसके लड़ाकू स्क्वाड्रनों की संख्या आधिकारिक तौर पर स्वीकृत 42 से घटकर 31 रह गई है।

तेजस एकल इंजन, बहु-भूमिका वाला लड़ाकू विमान है जो उच्च-खतरे वाले हवाई हालात में परिचालन करने में सक्षम है। इसे हवाई रक्षा, समुद्री टोही और हमलावर भूमिकाओं के लिए डिजाइन किया गया है।

मोदी की मां के एआई वीडियो पर बिफरी भाजपा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मां को गाली देना का मामला शुक्रवार सुबह बिहार कांग्रेस द्वारा सोशल मीडिया एक्स हैंडल से कृत्रिम बौद्धिकता (एआई) द्वारा निर्मित वीडियो जारी करने के बाद एक बार फिर से सुलग उठा है।

एआई वीडियो को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की मां का जानबूझकर और बार-बार अपमान देश और बिहार की जनता माफ नहीं करेगी। इस वीडियो को लेकर जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) ने भी कांग्रेस पर हमला बोला है। वहीं कांग्रेस नेता पवन खेड़ा का कहना है कि उनकी (प्रधानमंत्री मोदी) दिवंगत मां के प्रति अनादर कहां है, मुझे एक शब्द, एक इशारा, कहीं भी दिखाइए जहां आप अनादर देखते हैं।

कांग्रेस के एआई वीडियो पर भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन ने कहा कि कांग्रेस पार्टी बेशर्मी पर उतर आयी है। पहले कांग्रेस के मंच से श्री मोदी की मां को गाली दी गयी और अब एआई वीडियो बनाकर उनकी मां का अपमान कर रही है। जिस तरह कांग्रेस ने प्रधानमंत्री की मां का वीडियो बनाया है, जो अब इस दुनिया में भी नहीं हैं उनके बारे में इस तरह का वीडियो बनाना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। कांग्रेस पार्टी इससे बाज आए। पूरे देश और बिहार की जनता उस मां के अपमान का बदला जरूर लेगी, जो अब इस दुनिया में भी नहीं हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने इस वीडियो को लेकर कहा कि कांग्रेस पार्टी एक बार फिर प्रधानमंत्री की मां का अपमान कर रही है। यह अब गांधी की कांग्रेस नहीं रही, यह गालियों की कांग्रेस बन गयी है।

पीएम की मां के प्रति अनादर कहां? बिहार कांग्रेस के एआई जनरेटेड वीडियो पर पवन खेड़ा की सफाई

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

बिहार कांग्रेस के एक एआई जनरेटेड वीडियो पर संग्राम खड़ा हो गया है। बीजेपी इस वीडियो के जरिए कांग्रेस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी मां का अपमान करने का आरोप लगा रही है।

इस बीच कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने सफाई पेश की है। उन्होंने कहा है कि उनकी (पीएम मोदी) दिवंगत मां के प्रति अनादर कहां है? मुझे एक शब्द, एक इशारा, कहीं भी दिखाइए जहां आप अनादर देखते हैं। माता-पिता का कर्तव्य है कि वे अपने बच्चों को शिक्षित करें। वह केवल अपने बच्चे को शिक्षित कर रहे हैं और अगर बच्चे को लगता है कि यह उसके प्रति अनादर है, तो यह उसका सिरदर्द है, मेरा नहीं, आपका नहीं। पवन खेड़ा ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि बीजेपी हर बात को मुद्दा बनाकर झूठी सहानुभूति बटोरने की कोशिश क्यों करती है? अब इन बातों पर कोई झूठी सहानुभूति नहीं बची है। मोदी जी 'छूओ मत' वाली राजनीति नहीं कर सकते, वे राजनीति में हैं और उन्हें हर बात को, यहां तक कि विपक्ष के हास्य-बोध को भी, ठीक से लेना चाहिए और असल में इसमें हास्य नहीं है, इसमें 'नसीहत' है।

वीडिया में क्या दिखाया गया?

दरअसल, बिहार कांग्रेस ने 10 सितंबर को एक एआई वीडियो जारी किया, जिसमें पीएम मोदी की दिवंगत मां हीराबेन का किरदार दिखाया गया है। इसमें पीएम मोदी की मां उनसे बात करती दिखाई दे रही हैं। इस एआई वीडियो में नोटबंदी, बिहार में राजनीति समेत कई मुद्दों पर बात की गई है। जिस पर बीजेपी ने आपत्ति दर्ज की है। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए इस वीडियो के कैप्शन में लिखा गया, 'साहब के सपनों में आई मां...'

घर में घुसकर परिवार पर हमला, दो महिलाएं घायल

एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा । जेवर कोतवाली क्षेत्र के दयानतपुर गांव में एक घर में घुसकर परिवार के साथ मारपीट की गई। परिवार की महिलाओं को भी बुरी तरह पीटा गया। दो महिलाओं को चोटें आईं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक दयानतपुर गांव में ईश्वर सिंह परिवार के साथ रहते हैं। ईश्वर सिंह ने पुलिस को बताया कि उनके दादा का गुरुवार को श्राद्ध था। घर में एक पंडित आए थे। ईश्वर सिंह के पिता पंडित से बात कर रहे थे। इसी दौरान पड़ोसी गली में सफाई कर रहे थे। उनके पिता ने पंडित से कहा कि आज इनके रिश्तेदार आने वाले इसलिए सफाई चल रही है। इसी बात को लेकर पड़ोसियों ने एक राय होकर उनके घर में घुसकर मारपीट शुरू कर दी। परिवार के सदस्यों को लाठी-डंडे से बुरी तरह पीटा। मारपीट में परिवार की दो महिलाओं को चोटें आईं। उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। अब इस मामले में ईश्वर सिंह की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी राजू, ललित, कल्लन समेत पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार की जान गई

एनसीआर टुडे. नोएडा । सेक्टर-76 मेट्रो स्टेशन के पास अज्ञात वाहन के चालक ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार युवक और उसका चचेरा भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। अस्पताल में उपचार के दौरान बाइक पर पीछे बैठे युवक की मौत हो गई। उसके पिता ने सेक्टर-49 थाने में केस दर्ज कर कराया है। अलीगढ़ निवासी राजकुमार ने पुलिस को शिकायत दी कि उनका बेटा टीटू नोएडा के लोटस ग्रीन एरीना दो में नौकरी करता था। वह बुधवार को अपने चचेरे भाई वीरेंद्र के साथ उसकी बाइक पर पीछे बैठकर अपने घर की ओर आ रहा था। शाम साढ़े सात बजे के करीब सेक्टर-76 मेट्रो स्टेशन से बरोला डिवाइडर की ओर यूटर्न के पास अज्ञात वाहन के चालक ने बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि टीटू और वीरेंद्र बाइक से दूर जाकर गिरे और सिर समेत शरीर के अन्य हिस्से में चोट लगने के कारण घायल हो गए। घायलों को अस्पताल पहुंचाने के बजाए आरोपी चालक वाहन समेत भाग गया। राहगीरों की मदद से घायलों को नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान टीटू की मौत हो गई। वीरेंद्र का उपचार चल रहा है। उसकी हालत खतरे से बाहर है।

विशेष अभियान में 13 ओवरलोड वाहन जब्त

एनसीआर टुडे. नोएडा । परिवहन विभाग की प्रवर्तन टीम ने गुरुवार देर रात विशेष जांच अभियान चलाया। इस दौरान 13 ओवरलोड वाहनों को जब्त कर 8.80 लाख रुपये के चालान किए गए। एआरटीओ प्रवर्तन डॉ. उदित नारायण पांडे ने कहा कि जिलाधिकारी गौतमबुद्ध नगर मेधा रूपम के निर्देश पर जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसमें परिवहन विभाग के सहायक संभागीय अधिकारी प्रवर्तन नंद कुमार, अभिषेक कनौजिया और यात्रीकर अधिकारियों ने अलग-अलग स्थानों पर जांच अभियान चलाते हुए कार्रवाई की। इसमें 13 ओवरलोड वाहनों को जब्त किया गया और जुर्माना लगाया गया। चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस भी निलंबित करने की प्रक्रिया की जाएगी। निलंबन अवधि में चालक वाहन नहीं चला सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस वित्तीय वर्ष में 2025 में अब तक 756 वाहनों के चालान और 506 गाड़ियां जब्त की जा चुकी हैं। इससे 3.28 करोड़ रुपये जुर्माना वसूला गया है। वाहनों पर निर्माण सामग्री लदी हुई थी। कार्रवाई के दौरान चालकों को जागरूक भी किया गया। अधिकारियों ने उन्हें बताया कि गाड़ी में क्षमता से अधिक माल लादने से कई गंभीर नुकसान हो सकते हैं।

हादसे में एक की मौत, दो घायल

एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा । यमुना एक्सप्रेसवे पर हुए सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल हो गए। मृतक के भाई ने बाइक चालक पर लापरवाही का आरोप लगा केस दर्ज करवाया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पुलिस के मुताबिक मथुरा निवासी प्रमोद 24 अगस्त की रात अपने रिश्तेदार राजेश के साथ बाइक पर सवार होकर ग्रेटर नोएडा आ रहे थे। बाइक चला रहे राजेश ने यमुना एक्सप्रेसवे पर सड़क किनारे खड़े युवक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक पर पीछे बैठा प्रमोद उछलकर सड़क पर जा गिरा। दुर्घटना में तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सिर में गहरी चोट लगने की वजह से प्रमोद की दिल्ली अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई।

नोएडा के घर में कोबरा का खौफ

52 घंटे दूसरी मंजिल पर रहने को मजबूर रहे लोग

नोएडा, एजेंसी। नोएडा के सेक्टर-51 के घर की फॉल्स सीलिंग में घुसा कोबरा 52 घंटे में बाहर निकाला जा सका। इस दौरान परिवार के सदस्यों को घर की दूसरी मंजिल पर रहना पड़ा। वन विभाग के अफसरों ने बताया कि गुरुवार को कोबरा को जंगल में छोड़ दिया गया।

सेक्टर-51 के मकान नंबर डी-152 में चमन मावी परिवार के साथ रहते हैं। वह ठेकेदार हैं। परिवार में पत्नी वर्षा मावी, माता-पिता और बेटा हैं। वर्षा मावी ने बताया कि उनके घर के आसपास कई भूखंड खाली हैं और उनमें झाड़ियां हैं। कूड़े का ढेर भी लगा है। आठ सितंबर सोमवार को घर के भूतल पर पांच फीट लंबा कोबरा नजर आया और गायब हो गया। घरेलू सहायिकों ने मंगलवार सुबह पहली मंजिल की रसोई की फॉल्स सीलिंग के शीशे में कोबरा को देखा। उन्होंने बताया कि मंगलवार को दिन में वन विभाग का कर्मचारी आया, लेकिन कोबरा को नहीं निकाल सका। शाम को फिर वन विभाग से कोबरा को निकालने की गुहार लगाई गई, परंतु कामयाबी नहीं मिली।

वन विभाग ने बुधवार को कोबरा को निकालने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद सपेरे का सहारा लिया गया। उसने फॉल्स सीलिंग में दवा छिड़की। इसके कुछ घंटे बाद कोबरा चिमनी के पास से निकलने का प्रयास करने लगा। वन विभाग के कर्मचारी वीडियो बनाने लगे। इससे कोबरा फिर फॉल्स सीलिंग में चल गया। इसके बाद कर्मचारियों को दूर किया गया। फिर कोबरा चिमनी के पास निकला। वन विभाग की टीम ने शाम सात बजे कोबरा को पकड़ लिया। इसके बाद परिवार ने राहत महसूस की।

मकान मालिक संजय मावी ने बताया कि कोबरा के डर की वजह से परिवार के सभी सदस्य तीन दिन घर की दूसरी मंजिल पर रहे। सपेरे को सांप को निकालने में पांच घंटे तक मशक्कत करनी पड़ी। इसके बाद परिवार ने राहत की सांस ली। उन्होंने खुशी से सपेरे को 5600 रुपये भेंट किए।

वर्षा मावी ने बताया कि घरेलू सहायक ज्यादा दहशत में थे। एक सहायक खाना बनाता रहा और दूसरा सहायक देखता रहा कि कहीं कोबरा न आ जाए। इस कारण ऑनलाइन भी भोजन मंगाया गया। कुछ सहायक डर की वजह से सो भी नहीं सके।

मणिपुर में भाजपा सदस्यों ने दिया सामूहिक इस्तीफा, 43 ने छोड़ी पार्टी

इंफाल , एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मणिपुर के संभावित दौरे से कुछ दिन पहले राज्य के उखरुल जिले के फुंग्यार निर्वाचन क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कम से कम 43 सदस्यों ने पार्टी की सदस्यता से गुरुवार को इस्तीफा दे दिया। पार्टी के एक नेता ने यह जानकारी दी। नगा बहुल जिले में पार्टी के फुंग्यार मंडल से इस्तीफा देने वालों में मंडल अध्यक्ष, महिला, युवा और किसान मोर्चा के प्रमुख एवं निर्वाचन क्षेत्र के बूथ अध्यक्ष शामिल हैं।

भाजपा सदस्यों ने एक बयान में कहा कि वे ''पार्टी के भीतर वर्तमान स्थिति को लेकर बहुत चिंतित हैं'' और ''परामर्श, समावेशिता और जमीनी स्तर के नेतृत्व के प्रति सम्मान की कमी'' को इस कदम के पीछे प्रमुख कारण बताया। इसमें कहा गया, ''पार्टी और उसकी विचारधारा के प्रति हमारी निष्ठा सदैव अटूट रही है। हम अपने समुदाय और मणिपुर के लोगों के कल्याण के लिए काम करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि करते हैं।'' प्रधानमंत्री के शनिवार को मणिपुर पहुंचने की संभावना है, जो मई 2023 में इंफाल घाटी स्थित मेइती और आसपास के पहाड़ी इलाकों में रहने वाले कुकी-जो लोगों के बीच जातीय हिंसा भड़कने के बाद पूर्वोत्तर राज्य की उनकी पहली यात्रा होगी। इस हिंसा में 260 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है तथा हजारों लोग बेघर हुए हैं। फरवरी में एन बीरेन सिंह के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद केंद्र ने मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगा दिया था।

हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद भंवरी देवी के वारिसान को पेंशन नहीं

जोधपुर, एजेंसी। बहुचर्चित एएनएम भंवरी देवी हत्याकांड से जुड़ा मामला एक बार फिर राजस्थान हाईकोर्ट में गूंजा है। हाईकोर्ट के स्पष्ट आदेशों के बावजूद मृतका भंवरी देवी के वारिसान को पेंशन और सेवा परिलाभ नहीं दिए जाने पर दाखिल अवमानना याचिका में अब अदालत ने सख्ती दिखाई है। जस्टिस रेखा बोराणा की एकलपीठ ने 21 माह से आदेश की पालना न होने पर अवमानना याचिका में नोटिस जारी कर चिकित्सा सचिव, जोधपुर सीएमएचओ, पेंशन विभाग व एलआईसी समेत संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

मृतका भंवरी देवी के पुत्र साहिल पेमावत व दोनों पुत्रियों की ओर से अधिवक्ता यशपाल खिलेरी ने यह अवमानना याचिका पेश की। याचिका में कहा गया कि 1 सितंबर 2011 को हुई भंवरी देवी की हत्या के बाद से अब तक बकाया सेवा परिलाभ और नियमित पेंशन नहीं दी गई है। हाईकोर्ट ने 12 जनवरी 2024 को रिट याचिका स्वीकारते हुए स्पष्ट आदेश दिया था कि मृतका के समस्त बकाया सेवा परिलाभ, देय पेंशन और अन्य सेवानिवृत्ति लाभ की गणना कर समस्त एरियर का भुगतान चार माह के भीतर वारिसान को किया जाए। साथ ही आदेश में ब्याज सहित भुगतान का भी प्रावधान किया गया था। अदालत ने यह भी छूट दी थी कि चिकित्सा विभाग, मृतका के मृत्यु संबंधी आवश्यक सूचना और सर्विस बुक अधीनस्थ न्यायालय से आवेदन कर प्राप्त कर सकेगा। इसके बावजूद आदेश की पालना नहीं हुई। याचिका में बताया गया कि 21 माह बीतने के बाद भी न तो पेंशन दी गई और न ही सेवा परिलाभ का भुगतान किया गया। उल्टा, जोधपुर सीएमएचओ कार्यालय ने भंवरी देवी का मृत्यु प्रमाण पत्र न होने का बहाना बनाकर मामले को अटका रखा है। जबकि हकीकत यह है कि तत्कालीन जोधपुर सीएमएचओ ने ही 16 जनवरी 2012 को आदेश जारी कर भंवरी देवी को मृत मानते हुए सेवा से पृथक करने का आदेश जारी किया था।

राजस्थान में रातें हुई ठंडी, दिन में बढ़ी गर्मी

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में बीते कुछ दिनों से बारिश का दौर थमने के बाद मौसम शुष्क हो गया है। गुरुवार को पूरे प्रदेश में धूप खिली रही और आसमान साफ नजर आया। मौसम में नमी बढ़ने के कारण गर्माहट महसूस हुई, वहीं कुछ शहरों में दिन के तापमान में हल्की बढ़ोतरी दर्ज की गई। श्रीगंगानगर, बीकानेर, फलोदी और पिलानी में अधिकतम तापमान में मामूली वृद्धि देखी गई।

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर ने अगले दो सप्ताह का पूर्वानुमान जारी किया है। अनुमान के अनुसार, 16 सितंबर तक पूरे प्रदेश में मौसम शुष्क रहने के आसार हैं। इस दौरान धूप और साफ आसमान के चलते दिन का तापमान सामान्य से थोड़ा ऊपर रह सकता है। वहीं, 17 सितंबर से मानसून के दोबारा सक्रिय होने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार, खासतौर पर पूर्वी राजस्थान के कोटा और उदयपुर संभाग के जिलों में बारिश की गतिविधियां शुरू होंगी।

गुरुवार को प्रदेश के कई शहरों में अधिकतम तापमान 30 से 35 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज हुआ। सबसे ज्यादा तापमान श्रीगंगानगर में 35.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। हाल ही में हुई अच्छी बारिश के बाद अब वातावरण में नमी का स्तर बढ़ गया है। इसका असर न्यूनतम तापमान पर भी देखने को मिल रहा है। जोधपुर, जैसलमेर, कोटा और अजमेर समेत कई शहरों में रात का तापमान औसत से दो डिग्री तक नीचे दर्ज किया गया। इससे रात के समय हल्की ठंडक महसूस होने लगी है। सिरोही में गुरुवार को राज्य का सबसे कम तापमान 19.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

इसके अलावा अन्य जिलों में न्यूनतम तापमान 20 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रिकॉर्ड हुआ।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, अगले कुछ दिनों तक राजस्थान के अधिकांश जिलों में मौसम शुष्क रहेगा। दिन में धूप खिलने और साफ आसमान के चलते दिन का तापमान धीरे-धीरे बढ़ सकता है। हालांकि, रात के तापमान में गिरावट का दौर जारी रहेगा जिससे कई इलाकों में हल्की ठंडक बनी रहेगी। 17 सितंबर से एक बार फिर मानसून के सक्रिय होने की संभावना है। इस दौरान पूर्वी राजस्थान के कोटा और उदयपुर संभाग में बारिश का दौर शुरू होगा। विशेषज्ञों का कहना है कि सितंबर के दूसरे पखवाड़े में होने वाली यह बारिश खरीफ फसलों के लिए लाभकारी साबित हो सकती है। वहीं, बारिश से तापमान में भी गिरावट आएगी और लोगों को गर्माहट से राहत मिलेगी। प्रदेश में हाल ही में हुई बारिश से फसलों को अच्छा लाभ मिला है। अब मानसून के दोबारा सक्रिय होने की संभावना किसानों के लिए और राहत लेकर आ सकती है। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि सितंबर के मध्य में होने वाली बारिश से खेतों में नमी बरकरार रहेगी और देर से बोई गई फसलों को सहारा मिलेगा। दूसरी ओर, आमजन को भी दिन में पड़ रही गर्माहट से छुटकारा मिलेगा। वर्तमान में दिन में धूप और बढ़ती नमी के कारण लोग मौसम थोड़ा असहज हो रहा है। ऐसे में मानसूनी बारिश से मौसम सुहावना होगा और न्यूनतम तापमान में और गिरावट आने की संभावना है। फिलहाल राजस्थान में 16 सितंबर तक बारिश की संभावना नहीं है और मौसम शुष्क रहेगा।

गुरुग्राम में 2 नए रूटों पर मेट्रो दौड़ाने की तैयारी

गुरुग्राम, एजेंसी। मिलेनियम सिटी गुरुग्राम में मेट्रो के दो नए रूट की डीपीआर बनाने की तैयारी की जा रही है। हरियाणा मास रैपिड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन की तरफ से इन रूट की डीपीआर तैयार करने के लिए आमंत्रित टेंडर में सिर्फ एक कंपनी ने हिस्सा लिया है। इसकी तकनीकी और वित्तीय बिड को खोला जा चुका है। माना जा रहा है कि इस कंपनी को यह टेंडर आवंटित किया जाएगा।

पहला रूट - एचएमआरटीसी की गुरुग्राम-सोहना हाइवे स्थित गांव भोंडसी से सुभाष चौक, राजीव चौक, सदर बाजार होते हुए गुरुग्राम रेलवे स्टेशन तक मेट्रो लाइन बिछाने की योजना है। 17.09 किमी लंबी इस मेट्रो लाइन के लिए दो महीने पहले टेंडर आमंत्रित किए गए थे। एक सितंबर को इस टेंडर के तहत तकनीकी बिड को खोला गया। इस डीपीआर को तैयार करने के लिए राइट्स लिमिटेड ने आवेदन किया है। इसकी वित्तीय बिड को खोला जा चुका है। ऐसे में इस कंपनी को डीपीआर तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है।

इसके अलावा एचएमआरटीसी ने 13.6 किमी लंबी गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड से हांगकांग बाजार, आरडी सिटी, मिलेनियम सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन से होते हुए सेक्टर-पांच तक मेट्रो लाइन बिछाने की योजना है। इसकी डीपीआर तैयार करने के लिए भी सिर्फ राइट्स ने आवेदन किया है। ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो के तहत दिल्ली मेट्रो के मौजूदा मिलेनियम सिटी सेंटर के सामने फोर्टिस अस्पताल के बाहर हरित क्षेत्र में मेट्रो स्टेशन का निर्माण होगा। चार महीने के बाद मेट्रो स्टेशन के निर्माण को शुरू किया जाएगा। मेट्रो के पिलर का पहले निर्माण किया जाएगा। ताज होटल से लेकर कन्हेई मोड़ तक मेट्रो सर्विस लेन या साइकल ट्रैक में आएगी। ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो के निर्माण को लेकर सूरत से गुरुग्राम पहुंची पाइलिंग मशीन की बैटरी चोरी हो गई। यह घटना दो सितंबर रात की है। पांच सितंबर को भूमि पूजन में मनोहर लाल और मुख्यमंत्री को शामिल होना था। ऐसे में आनन-फानन में नई बैटरी खरीदी गई। मौजूदा समय में इस पाइलिंग मशीन की सुरक्षा के तहत दिन के समय इसका ऑपरेटर मौके पर रहता है।

कैंपस के तालाब में गिरने से छात्रा की मौत

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता की जादवपुर यूनिवर्सिटी में कैंपस के तालाब में गिरने से एक छात्रा की मौत हो गई। यूनिवर्सिटी के कर्मचारियों ने बताया कि यह हादसा सोमवार रात करीब 10-30 बजे हुआ, जब कैंपस में स्टूडेंट्स की ओर से सांस्कृतिक फेस्टिवल चल रहा था। छात्रा हॉस्टल में नहीं रहती थी। यह पता चला है कि वो इंग्लिश डिपार्टमेंट में थर्ड ईयर की स्टूडेंट थी। उसे तालाब में गिरा देखकर सिक्योरिटी स्टाफ और कुछ स्टूडेंट्स ने मिलकर उसे बाहर निकाला, लेकिन तब तक वो बेहोश हो चुकी थी। हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हॉस्पिटल के एक अधिकारी ने बताया, %हमने नियमों के मुताबिक स्थानीय जादवपुर पुलिस स्टेशन को सूचना दी। इसलिए न तो उसकी पहचान उजागर की गई और न ही यूनिवर्सिटी की ओर से कोई आधिकारिक बयान आया। हालांकि, यूनिवर्सिटी के सीनियर अधिकारी तुरंत कैंपस पहुंचे। मृत छात्रा के सहपाठी मीडिया से बात करने को तैयार नहीं थे। दूसरी ओर, कलकत्ता विश्वविद्यालय ने तृणमूल छात्र परिषद के महासचिव अभिरूप चक्रवर्ती को विश्वविद्यालय की कार्यवाहक कुलपति शांता दत्ता के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने को लेकर 5 साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया।

लालू-राबड़ी युग का अंत, नीतीश बने हीरो; तब राजद के 70 फीसदी नेता हार गए थे

पटना , एजेंसी। फरवरी 2005 में हुए विधानसभा चुनाव के बाद पूरे प्रदेश में राजनीतिक अस्थिरता बनी रही। त्रिशंकु विधानसभा के कारण किसी सरकार का गठन नहीं हो पाया और राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाना पड़ा। लगभग 262 दिनों तक सूबे में राष्ट्रपति शासन रहा। इसके पहले राज्य में विधानसभा चुनाव की कसरत चलती रही। अक्टूबर में चुनाव हुए। चुनाव परिणाम में एनडीए को पूर्ण बहुमत मिला और तमाम राजनीतिक कयासों पर विराम लग गया।

नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बने और इस चुनाव परिणाम ने राज्य में लालू-राबड़ी युग का अंत कर दिया। नीतीश कुमार ने 24 नवंबर 2005 को मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली और 26 नवंबर 2010 तक इस पद पर बगैर किसी विरोध के बने रहे। राजद की राबड़ी देवी को विपक्ष का नेता बनाया गया। सरकार बनने के छह दिनों के बाद 30 नवंबर को वे विपक्ष की नेता बनीं।

जैसे 1990 में राज्य में कांग्रेस शासन का अंत हुआ और लालू प्रसाद का उदय हुआ। इसके ठीक 15 वर्षों के बाद राज्य में लालू-राबड़ी के शासन का अंत हुआ और बिहार के राजनीतिक फलक पर नीतीश कुमार का उदय हुआ। यही नहीं यहां से बिहार की राजनीति में नये युग की शुरुआत भी हुई। फरवरी की राजनीतिक अस्थिरता के बाद सभी राजनीतिक दलों ने फूंक-फूंक कर कदम रखना शुरू किया। खासकर एनडीए बेहद सतर्क था। राज्य के लोगों ने बदलाव का मन बना लिया था। लोग पुरानी शासन व्यवस्था से नाराज थे। लुंज-पुंज सरकारी सिस्टम, विधि व्यवस्था की लगातार खराब होती स्थिति, बेरोजगारी, पलायन और आंतक के कारण व्यावसायियों का बिहार छोड़कर जाना....इन सबके बीच लोगों में नीतीश कुमार को लेकर सहज आकर्षण पैदा हो रहा था। उनमें लोगों को भविष्य की उम्मीद दिखने लगी थी।

इसी बीच जुलाई में नीतीश कुमार ने आम लोगों के बीच जाने का फैसला किया और न्याय यात्रा पर निकल पड़े। जदयू-भाजपा नेताओं के साथ उन्होंने चंपारण से किशनगंज की यात्रा की। इस दौरान उन्होंने जगह-जगह लोगों से संवाद किया। सभाएं कीं। रोड शो किये। आम लोगों की बातें सुनीं, उन्हें अपनी बात बतायी। इन यात्रा

ने बिहार का राजनीतिक माहौल पूरी तरह बदल दिया। लोग नीतीश कुमार के रूप में अपना नया नेता देखने लगे। उनकी बातों से आम लोग प्रभावित हुए। इस रेस में राजद-कांग्रेस काफी पीछे छूट गए। यही नहीं पिछली बार सत्ता की चाबी लेकर घूमने वाले रामविलास पासवान भी चर्चा से बाहर हो गए। जनता का मन-मिजाज स्पष्ट होने लगा था। एक हवा धीरे-धीरे बहने लगी थी।

अक्टूबर में जब चुनाव हुआ तो लोगों की आकांक्षाएं परिणाम के रूप में सामने आईं। एनडीए को एकतरफा जीत मिली। उसकी सीटों में भारी बढ़ोतरी हुई। इन्हें फरवरी की तुलना में 51 सीटें अधिक मिलीं। एनडीए को 143 सीट और 36 फीसदी वोट मिले। जदयू और भाजपा दोनों की सीटें बढ़ीं। 88 सीटें जीतने वाला जदयू पहली बार सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरा। उसके 63 फीसदी उम्मीदवार चुनाव जीते।

चंद्रमोहन राय, खुर्शीद उर्फ फिरोज आलम, सतीश चंद्र दूबे, राजेश कुमार रौशन उर्फ बबलू देव, अमरेंद्र कुमार पांडेय, डॉ. अच्युतानंद, शिवचंद्र राम, विजय कुमार शुक्ला, राजू कुमार सिंह, वृशिण पटेल, अजीत कुमार, बिजेंद्र चौधरी, रमई राम, अर्जुन राय, डॉ. रामचंद्र पूर्वे, शाहिद अली खान, हरिभूषण ठाकुर, ललित कुमार यादव, अब्दुलबारी सिद्दीकी, नीतीश मिश्र, विनोद नारायण झा, देवनाथ यादव, संजय सरावगी, महेश्वर हजारी आदि। कांग्रेस का लगातार खराब प्रदर्शन जारी रहा। फरवरी में उसे 10 सीटें मिली थीं। इस बार वह भी घटकर 9 पर आ गयी। सीटों की तालिका में वह पांचवें स्थान पर रही। वामपंथी दलों की स्थिति तो और खराब हो गयी। पिछली बार 29 सीट जीतकर सरकार बनाने में निर्णायक ताकत लेकर बैठी लोजपा को 19 सीटों का नुकसान हुआ। उसके केवल 10 विधायक जीत सके। उसके 95 प्रतिशत से अधिक उम्मीदवार चुनाव हार गए। जनता ने अपना फैसला अच्छी तरह से सुना दिया था। बिहार में एक ही साल में सात महीने के अंतर पर अक्टूबर 2005 में हुए विधानसभा चुनाव में एनडीए उम्मीदवारों को बंपर वोट मिले थे। जदयू 88 तो भाजपा 55 सीटें जीतने में कामयाब रही थी। करीब 36 प्रतिशत वोट इन दोनों दलों ने बटोरे। इस चुनाव में 243 विधानसभा सीटों के लिए 2135 उम्मीदवार चुनाव मैदान में थे। इनमें 93 प्रतिशत पुरुष और 7 प्रतिशत महिला उम्मीदवार थीं। 1997 पुरुष उम्मीदवारों में 218 ने चुनाव में सफलता पाई, जबकि 1480 की जमानत जब्त हो गई।

छेड़छाड़ के विरोध पर तेजाब से जलाने की धमकी

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। मोदीनगर की कॉलोनी निवासी युवती को छेड़छाड़ के विरोध पर तेजाब से जलाने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। एक कॉलोनी निवासी व्यक्ति ने बताया कि मेरी को एक युवक परेशान कर रहा है। आरोपी की महिला रिश्तेदार बेटी को फोन पर चेहरे पर तेजाब डालने की धमकी दे रही है। आरोप है कि महिला दो दिन पहले कई युवकों के साथ पीड़ित के घर पहुंची और मारपीट के साथ तोड़फोड़ की। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। इस संबंध में युवती के पिता ने मोदीनगर थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की गुहार लगाई है। सीओ मोदीनगर ने बताया कि तहरीर के आधार पर अभिषेक नेगी और सोनाली नेगी निवासी अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

विवाहिता को मारपीट कर घर से निकाला

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। मोदीनगर के गांव कैथवाड़ी निवासी रजनी देवी ने बताया कि उनकी शादी वर्ष 2014 में बागपत निवासी शक्ति सिंह से हुई थी। शादी के बाद से ससुराल पक्ष के लोग कार और 10 लाख रुपये की मांग कर रहे थे। कुछ दिन पूर्व ससुराल पक्ष के लोगों ने दहेज की मांग पूरी न होने पर उसे पीटकर घर निकाल दिया। पीड़िता ने डायल 112 पर पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस का कहना है कि महिला की तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है।

गेट का ताला तोड़कर लैपटॉप चोरी किया

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। लोनी बॉर्डर थानाक्षेत्र में गुरुवार रात चार चोरों ने सीढ़ियों का गेट तोड़कर लैपटॉप चोरी कर लिया। इंद्रपुरी कॉलोनी निवासी योगेंद्र चौधरी के मकान में पहले तल पर सूरज ऑनलाइन ट्रेडिंग का काम करते हैं। गुरुवार शाम वह सीढ़ियों के गेट में ताला लगाकर घर चले गए। देर रात चार चोरों ने ताला तोड़कर लैपटॉप चोरी कर लिया। सीसीटीवी कैमरों में चोर के चेहरे साफ दिखाई दे रहे हैं। सीओ अंकुर विहार ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि पुलिस जांच कर रही है। तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शेरकोट में खो नदी से तीसरे किशोर का शव बरामद, पूरे नगर में शोक की लहर

✷ **एनसीआर टुडे. बिजनौर** ✷। शेरकोट क्षेत्र के मोहल्ला निकम्माशाह में बुधवार को नहाने के दौरान खो नदी में डूबे तीन किशोरों में से तीसरे किशोर रौनक (13 वर्ष) का शव भी शुक्रवार को बरामद कर लिया गया। शव घटना स्थल से लगभग 300 मीटर दूर बैराज के गेट नंबर 6 के पास मिला। इस हादसे में सीनू (11 वर्ष) और छोटू (18 वर्ष) का शव बृहस्पतिवार को ही बरामद कर लिया गया था। तीनों शवों का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया। रात भर घर में मातम का माहौल रहा और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। तीनों किशोरों का अंतिम संस्कार एक साथ किया जाएगा। प्रशासन की टीम, जिसमें NDRF और PAC शामिल हैं, लगातार नदी में तालाश अभियान चला रही थी।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से ई-रिक्शा बुरी तरह हुई क्षतिग्रस्त, चालक घायल

✷ **एनसीआर टुडे. नहटौर** ✷। तेज रफ्तार कार ने ई रिक्शा में जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें ई रिक्शा बुरी तरह क्षतिग्रश्त हो गई तथा ई रिक्शा चालक घायल हो गया। घायल को निजी चिकित्सक के यहां भर्ती कराया गया। प्राप्त समाचार के अनुसार क्षेत्र के गांव सदरुद्दीन नगर निवासी मौ सद्दाम पुत्र अखलाक ई रिक्शा चलाकर अपने परिवार का पालन पोषण करता है। बताया जाता है कि वह कल रात करीब 9 बजे ई रिक्शा में सामान भरकर नहटौर जा रहा था जब वह गांव वह से पार पहुंचा तो सामने आ रही कार ने उसे टक्कर मार दीं। जिससे उसकी ई रिक्शा क्षतिग्रश्त हो गई। साथ ही चालक सद्दाम घायल हो गया। घायल सद्दाम को गांव के ही निजी चिकित्सक के यहां भर्ती कराया गया। उधर कार भी क्षतिग्रश्त हो गई।

कालागढ़ केंद्रीय कॉलोनी में 14 फीट का बर्मीज अजगर, चीतल को बनाया निवाला

✷ **एनसीआर टुडे. कालागढ़ (पौड़ी गढ़वाल)** ✷। केंद्रीय कॉलोनी स्थित यूनियन कार्यालय के समीप आवासीय क्षेत्र में शुक्रवार को एक बर्मीज अजगर ने चीतल का शिकार कर लिया। स्थानीय नागरिकों ने तुरंत इसकी सूचना वन विभाग को दी कि एक विशालकाय सांप ने हिरन को पकड़ लिया है, जो आवासों के बेहद नजदीक है। सूचना पर उप प्रभागीय वनाधिकारी और वन क्षेत्राधिकारी दल-बल के साथ मौके पर पहुँचे। भारी भीड़ को घटनास्थल से दूर किया गया और वनकर्मियों व रेस्क्यू टीम की सहायता से अजगर को सुरक्षित तरीके से पकड़कर सैंडिल बांध क्षेत्र के घने जंगलों में छोड़ दिया गया। अजगर की लंबाई करीब 14 फीट और वजन लगभग 40 से 50 किलो आंका गया। सौभाग्य से इस घटना में किसी तरह का नुकसान आसपास के लोगों को नहीं हुआ। उप प्रभागीय वनाधिकारी बिंदर पाल के निर्देशो पर वनक्षेत्राधिकारी एन के रूवाली के नेतृत्व में अजगर का रेस्क्यू किया गया। टीम में वन दरोगा महेश जोशी, वन्यजीव रेस्क्यूर दीपक कुमार, वन आरक्षी बब्लू बोरा, वनकर्मी सईम अंसारी, महताब असवाल, अकमल शफी मौजूद रहे।

RBI और नाबार्ड ने ग्राम वासियों को वित्तीय साक्षरता अभियान का आयोजन

✷ **एनसीआर टुडे. कोतवाली** ✷। ब्लॉक कोतवाली के जनपद बिजनौर की ग्राम पंचायत सदारपुर छायली में आरोह फाउंडेशन की ओर से भारतीय रिजर्व बैंक और नाबार्ड के द्वारा ग्राम वासियों को वित्तीय साक्षरता अभियान प्रधानमंत्री जनधन योजना, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, सुकन्या समृद्धि योजना और साइबर क्राइम से होने पर हेल्पलाइन नंबर 1930 के बारे में जानकारी दी गई। इस मौके पर एलडीएम ऑफिस से अखिल कुमार, एफ एल सी सीबी सिंघल पंजाब नेशनल बैंक मैनेजर बढ़ापुर, ग्राम प्रधान नवनीत सिंह, सीएफएल सैंटर कोतवालीसे इंचार्ज प्रीति, संतराम सैनी, विकास कुमार रोहित कुमार लगभग 65 ग्राम वासी मौजूद रहे।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार की जान गई

✷ **एनसीआर टुडे. नोएडा** ✷

सेक्टर-76 मेट्रो स्टेशन के पास अज्ञात वाहन के चालक ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार युवक और उसका चचेरा भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। अस्पताल में उपचार के दौरान बाइक पर पीछे बैठे युवक की मौत हो गई।

उसके पिता ने सेक्टर-49 थाने में केस दर्ज कर कराया है। अलीगढ़ निवासी राजकुमार ने पुलिस को शिकायत दी कि उनका बेटा टीटू नोएडा के लोटस ग्रीन एरीना दो में नौकरी करता था। वह बुधवार को अपने चचेरे भाई वीरेंद्र के साथ उसकी बाइक पर पीछे बैठकर अपने घर की ओर आ रहा था। शाम साढ़े सात बजे के करीब सेक्टर-76 मेट्रो स्टेशन से बरोला डिवाइडर की ओर यूटर्न के पास अज्ञात वाहन के चालक ने बाइक में टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि टीटू और वीरेंद्र बाइक से दूर जाकर गिरे और सिर समेत शरीर के अन्य हिस्से में चोट लगने के कारण घायल हो गए। घायलों को अस्पताल पहुंचाने के बजाए आरोपी चालक वाहन समेत भाग गया। राहगीरों की मदद से घायलों को नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान टीटू की मौत हो गई। वीरेंद्र का उपचार चल रहा है। उसकी हालत खतरे से बाहर है। पुलिस का कहना है कि घटनास्थल के पास लगे सीसीटीवी कैमरे की मदद से आरोपी चालक और उसके वाहन की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

हादसे में एक की मौत, दो घायल

एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा। यमुना एक्सप्रेसवे पर हुए सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल हो गए। मृतक के भाई ने बाइक चालक पर लापरवाही का आरोप लगा केस दर्ज करवाया है। पुलिस के मुताबिक मथुरा निवासी प्रमोद 24 अगश्त की रात अपने रिश्तेदार राजेश के साथ बाइक पर सवार होकर ग्रेटर नोएडा आ रहे थे। बाइक चला रहे राजेश ने यमुना एक्सप्रेसवे पर सड़क किनारे खड़े युवक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक पर पीछे बैठा प्रमोद उछलकर सड़क पर जा गिरा। दुर्घटना में तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सिर में गहरी चोट लगने की वजह से प्रमोद की दिल्ली अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। अब इस मामले में प्रमोद के भाई मोनू ने चालक राजेश पर लापरवाही से बाइक चलाने का आरोप लगा केस दर्ज करवाया है।

स्कॉर्पियो की टक्कर से बाइक सवार की मौत

एनसीआर टुडे. दनकौर। यमुना एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड पर स्पोर्ट सिटी के सामने बृहस्पतिवार को एक स्कॉर्पियो गाड़ी ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को सूचना पर पहुंची पुलिस ने निम्स अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने गाड़ी को अपने कब्जे में ले लिया है। परिजनों की तरफ से कोई लिखित शिकायत अभी पुलिस को नहीं दी गई है। मृतक ने हेलमेट पहना हुआ था, लेकिन हादसे में हेलमेट भी टूट गया।

बुलंदशहर के प्रानगढ़ गांव निवासी जगदीश शर्मा (25) नोएडा में रहकर एक कंपनी में नौकरी करता था। बृहस्पतिवार को कंपनी के काम के लिए वह बाइक से रबूपुरा क्षेत्र में आया था। काम पूरा करने के बाद वापस लौटते वक्त सर्विस रोड पर एक स्कॉर्पियो गाड़ी चालक ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वह बाइक समेत उछलकर दूर जा गिरा, जिससे गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलने पर घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने घायल को नजदीक में स्थित निम्स अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह का कहना है कि स्कॉर्पियो गाड़ी को हिरासत में ले लिया गया है। परिजनों की तरफ से शिकायत मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

इंश्योरेंस कंपनी को दिए ऑपरेशन बिल का भुगतान करने के आदेश

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

उपभोक्ता प्रतितोष आयोग ने एक मामले में बीमा कंपनी को सेवा में कमी

का दोषी मानते हुए पॉलिसीधारक को 1,76,250 रुपये भुगतान का आदेश दिया है। साथ ही, आयोग के अध्यक्ष प्रवीण जैन ने 5 हजार रुपये मानसिक क्षतिपूर्ति देने का आदेश दिया है।

साहिबाबाद निवासी राजीव कुमार ने स्टार हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी से 24 जनवरी 2022 को पांच लाख रुपए सम एश्योर्ड की जीवन पालिसी कराई थी। 12 दिसंबर 2022 को राजीव कुमार को क्रिकेट खेलते हुए घुटने में चोट लगी।

इसके बाद उसने गुरुग्राम स्थित यशरूप अस्पताल में ऑपरेशन कराया। ऑपरेशन के दौरान 1,76,250 का बिल आया। एजेंट ने यह कहकर अस्पताल से बिल ले लिया कि वह संपूर्ण बिल का भुगतान कंपनी से कराएगा लेकिन कंपनी ने भुगतान देने से इनकार कर दिया।

उनका कहना था कि राजीव कुमार ने गलत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उनको चोट क्रिकेट खेलने के दौरान लगी जबकि अस्पताल की ओपीडी में सीढ़ियों से फिसलने बताया गया था। लिहाजा उन्होंने झूठ बोलकर बिल जारी कराया। मामले की सुनवाई करते हुए फोरम ने पाया कि राजीव कुमार की ओर से किसी तरह का कोई झूठ नहीं बोला गया। उन्हें घुटने में चोट लगी और उसका ऑपरेशन हुआ। लिहाजा कंपनी को राजीव कुमार का ऑपरेशन का बिल 1,76,250 रुपए देना होगा। इसके साथ ही पांच हजार रुपए परिवाद व्यय के अलग से देने होंगे।

साइबर फ्रॉड के लिए म्यूल अकाउंट उपलब्ध कराने वाले बड़े गिरोह के छह आरोपी गिरफ्तार

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

गाजियाबाद में गुरुवार की रात विजयनगर थाना क्षेत्र में यूपी एसटीएफ की नोएडा यूनिट ने एक बड़े साइबर फ्रॉड गिरोह का खुलासा करते हुए छह लोगों को गिरफ्तार किया।

यह गिरोह कमीशन पर म्यूल अकाउंट उपलब्ध कराता था, जिनका इश्तेमाल देशभर में हो रहे साइबर फ्रॉड में किया जा रहा था।

एसटीएफ को इन आरोपियों के पास से सौ से अधिक बैंक खातों की डिटेल्स मिली है, जिन पर पहले से ही कई साइबर अपराध की शिकायतें दर्ज हैं। जांच में चौंकाने वाली बात यह सामने आई कि इन म्यूल अकाउंट्स को उपलब्ध कराने में बिहार के बंधन बैंक और एचडीएफसी बैंक के कुछ कर्मचारियों की भी मिलीभगत रही है।

बैंकिंग सिस्टम में अंदरूनी सहयोग मिलने के कारण यह गिरोह काफी समय से सक्रिय था और देशभर के लोगों से ठगी कर रहा था।

गिरोह सिर्फ साइबर फ्रॉड तक सीमित नहीं था, बल्कि यह लोग बड़े नोटों के बदले छोटे नोट अधिक अमाउंट में देने का लालच भी देते थे। इस दौरान लोगों को नकली या रद्दी कागज थमा दिए जाते थे। इस तरह का नेटवर्क पूरे भारत में फैला था और अब तक हजारों लोग इनके शिकार हो चुके थे। छापेमारी के दौरान एसटीएफ ने गिरोह के पास से 25.6 लाख रुपए नकद, नोट गिनने की मशीन, फर्जी आधार कार्ड और कई अन्य फर्जी दश्तावेज बरामद किए हैं।

इन दश्तावेजों का इश्तेमाल गिरोह नए खातों को खोलने और ठगी के लिए पहचान बनाने में करता था। गिरफ्तार आरोपियों में गैंग का सरगना शुभम राज उर्फ बाबा (निवासी जिला छपरा, बिहार) भी शामिल है।

इसके साथ ही प्रदीप कुमार (सिवान), धीरज मिश्रा (भोजपुर), सोनू कुमार (सारण), अमरजीत कुमार (सारण) और अनुराग (बुलंदशहर, उत्तर प्रदेश) को भी दबोचा गया है।

एसटीएफ अधिकारियों ने बताया कि इस मामले में बैंक कर्मचारियों की भूमिका की भी गहन जांच की जाएगी। साइबर फ्रॉड और नकली नोट ठगी के नेटवर्क के उजागर होने के बाद एजेंसियां अन्य राज्यों में फैले इनके कनेक्शन तलाशने में जुटी हैं।

पांच करोड़ की लागत से ट्रांस हिंडन क्षेत्र की कालोनियों में होगी विद्युत आपूर्ति दुरुस्त

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

ट्रांस हिंडन क्षेत्र में अब बिजली कटौती और ट्रिपिंग की समस्या से लोगों को जल्द राहत मिलने वाली है। क्षेत्र में पुराने और जर्जर हो चुके बिजली के पोल, लाइन और ट्रांसफार्मरों को बदलने व मरम्मत के लिए पांच करोड़ रुपये की लागत से कार्य किया जाएगा।

इसके लिए विद्युत विभाग द्वारा टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। नवंबर माह से धरातल पर कार्य किया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार, लंबे समय से क्षेत्रवासियों को लो-वोल्टेज, बार-बार ट्रिपिंग और बिजली आपूर्ति में बाधा जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था।

विभाग के अनुसार, इसकी सबसे बड़ी वजह पुराने हो चुके तार, पोल और ट्रांसफार्मरों की खश्ता हालत है। बारिश और तेज हवाओं में यह समस्या और भी गंभीर हो जाती है, जिससे क्षेत्र में कई घंटों के लिए आपूर्ति बाधित हो जाती है। अब विभाग ने ट्रांस हिंडन के विभिन्न हिस्सों में स्थित जर्जर पोल और तारों को पूरी तरह बदलने का निर्णय लिया है। इसके तहत कई जगहों पर नए ट्रांसफार्मर भी लगाए जाएंगे ताकि लोड का सही वितरण हो सके और ओवरलोडिंग की समस्या खत्म हो। साथ ही, मौजूदा ट्रांसफार्मरों की क्षमता भी बढ़ाई जाएगी जहां आवश्यकता होगी।

विद्युत निगम जोन-तीन के मुख्य अभियंता दीपक अग्रवाल ने बताया कि जर्जर पोल व लाइन में मरम्मत कार्य कराने के लिए पांच करोड़ रुपये के टेंडर जारी किए जा चुके हैं। नवंबर माह में गर्मी कम होने पर धरातल पर कार्य शुरू कर दिया जाएगा। आंधी-बारिश में जर्जर पोल व लाइन क्षतिग्रश्त होती है आंधी और बारिश के दौरान जर्जर विद्युत पोल और लाइनें सबसे अधिक प्रभावित होती हैं।

तेज हवाओं के चलते पुराने और कमजोर पोल गिर या झुक जाते हैं, जिससे बिजली आपूर्ति कई घंटों के लिए बाधित हो जाती है। वहीं, पुराने तार आपस में उलझकर टूट जाते हैं या फॉल्ट हो जाता है, जिससे क्षेत्र में घंटों तक बिजली गुल रहती है। इससे न केवल आमजन को परेशानी होती है, बल्कि दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ जाता है। समय पर मरम्मत और बदलने का कार्य न होने से यह समस्या हर मौसम में दोहराई जाती है। विभाग को समय रहते प्रभावी कदम उठाने की जरूरत है।

पुलिस ने शराब बनाने के उपकरण भट्टीया को नष्ट किया

✷ **एनसीआर टुडे. बढ़ापुर** ✷

स्थानीय पुलिस द्वारा विभागीय उच्च अधिकारियों के दिशा निर्देश पर अगश्त शराब की तस्करी रोकने एवं जहरीले शराब के निर्माण एवं बिक्री पर अंकुश लगाए जाने हेतु कार्यवाही किए जाने के दौरान मात्र पौने दो लीटर कच्ची शराब पकड़कर तथा जलती हुई शराब भट्टी दिखाए जाने के लिए मोबाइल का क्रॉप वीडियो ही प्रेस नोट मे दिया है।

जिसके बाद विभागीय उच्च अधिकारियों में हुई फजीहत को दबाने के लिए बढ़ापुर पुलिस ने गुरुवार को एक बार फिर प्रेस नोट जारी किया जिसमें बढ़ापुर पुलिस ने मात्र पौने दो लीटर शराब पकड़ी जो नगर में चर्चा का विषय बनी हुई है।

जिसका मुख्य कारण है बढ़ापुर पुलिस द्वारा विभाग के उच्च अधिकारियों के दिशा निर्देश पर कच्ची शराब के खिलाफ अभियान चलाकर शराब माफिया के खिलाफ कार्रवाई की जानी थी। जिसके चलते हुए गुरुवार को बढ़ापुर पुलिस द्वारा एक प्रेस नोट जारी किया गया यदि इस प्रेस नोट पर गौर करें तो बढ़ापुर पुलिस ने हाल ही में जो एक बंद पड़ी शराब भट्टी को नष्ट करने की अपने कार्य की इतिश्री की थी।

उसकी फजीहत से बचने के लिए इस बार प्रेस नोट में एक जलती हुई शराब भट्टी की फोटो वीडियो से क्रॉप कर प्रेस नोट में शामिल कर दी। इसके अलावा बढ़ापुर पुलिस ने जलती हुई शराब भट्टी पर से केवल पौने दो लीटर मात्र शराब बरामद कर विभागीय उच्च अधिकारियों की नजरों में अपने आप को रुश्तम साबित करने की कोशिश की है।

सबसे अहम बात यह है कि थाना बढ़ापुर पुलिस के आज तक के इतिहास में जब भी अभियान चलाया जाता है तो पुलिस को शराब शराब भट्टी व शराब बनाने के उपकरण तो मिलते हैं परंतु शराब माफिया पुलिस के हाथ नहीं लगते हैं बढ़ापुर पुलिस की यह कार्य शैली पर खुला प्रश्न चिन्ह आज तक लगा हुआ है जिसको बढ़ापुर पुलिस मिटाने में सक्षम साबित नहीं हो रही है।

मात्र पौने दो लीटर शराब पकड़ने वाली पुलिस पर थाना प्रभारी निरीक्षक प्रेस नोट रिलीज कर अपने आप को क्या साबित करना चाहते हैं। हालांकि बढ़ापुर पुलिस ने शराब भट्टी मलिक सन्दीप पुत्र गुरदीप सिंह निवासी मदपुरी थाना बढ़ापुर के खिलाफ रिपोर्ट भी दर्ज कर ली परन्तु उसका पकड़ नही पाए। बढ़ापुर पुलिस को इस बार शराब भट्टी व 1.75 लीअवैध कच्ची शराब एक जग स्टील, 02 बडे ड्रम लोहा, 02 पाइप रबड़ मय अल्युमिनियम पाइप से जुड़ा हुआ एक प्लास्टिक मग व एक टीन कनश्तर भी मिला। शराब भट्टी को पकड़ने वाली टीम में उपनिरीक्षक विकास कुमार, आरक्षी श्याम कुमार, मुकुल कुमार, पीयूष कुमार शामिल रहे।

एबीपी कार्यकर्ताओं ने दिशा कालेज प्रशासन के खिलाफ किया जोरदार नारेबाजी प्रदर्शन

✷ **एनसीआर टुडे. धामपुर** ✷

दिशा इंस्टीट्यूट में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं व छात्रों ने कॉलेज प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। उनका आरोप है कि कॉलेज में विद्यार्थियों के साथ अभद्रता की जा रही है। एक छात्र को दो दिन पहले यूनिफॉर्म देने से मना कर दिया गया और उसके साथ में अभदृता की गई।

शुक्रवार को दिशा इंस्टीट्यूट के गेट पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं और कॉलेज के छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किया उन्होंने कालेज प्रशासन पर छात्रों को परेशान करने और कई आरोप लगाए। बीसीए प्रथम वर्ष के छात्र शब्द चौधरी और अभय प्रताप सिंह सार्थक आकाश मोहित वंश हर्षित अधिकारों की कॉलेज में छात्रों के साथ सही व्यवहार नहीं किया जाता है। शब्द चौधरी को उसकी ड्रेस देने से मना किया था। इससे पहले भी एक छात्र को कॉलेज में श्री राम के नारे लगाने पर कॉलेज से निकाल दिया था। काफी देर तक छात्र कॉलेज में हंगामा करते रहे इसके बाद कॉलेज रजिस्ट्रार राजीव कुमार से छात्रों के एक प्रतिनिधि मंडल ने वार्ता की। राजीव कुमार ने बताया कि छात्रों की मांगे सुनी गई है।

आम के हरे पेड़ो का कटान जारी,भाकियू की शिकायत पर वन विभाग ने सीज की टैक्टर -ट्रॉली

समस्या का निस्तारण होने तक समस्त लेखपाल ऑनलाइन व ऑफलाइन संपूर्ण कार्य का बहिष्कार करेंगे।

✷ **एनसीआर टुडे. नगीना** ✷

उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ नगीना ने उपजिलाधिकारी के कार्यव्यवहार को लेकर समस्त लेखपालों में आक्रोश है जिसको लेकर उपजिलाधिकारी को तहसील से हटाने हेतु जिलाधिकारी को एक ज्ञापन डिजिटल तरीके से तहसीलदार को सौंपा।

शुक्रवार को उपजिलाधिकारी द्वारा अनावश्यक रूप से तीन पदाधिकारियों अमित मिश्रा, जिला मंत्री, सत्यवीर सिंह तहसील अध्यक्ष एवं जयपाल सिंह तहसील मंत्री जी का दुष्प्रेरणा से निलंबन कर दिया जिसके कारण समस्त लेखपालों द्वारा इस कृत्य की निंदा की है, पूर्व ज्ञापन के अनुसार को अतिरिक्त क्षेत्र के बश्ते जमा करने हेतु लेखपाल आर के दफ्तर में गए किंतु बश्ते जमा नहीं किए गए और समस्त लेखपालों द्वारा यह भी निर्णय लिया गया कि कल दिनांक 13 सितंबर 2025 से समश्त लेखपाल ऑनलाइन व ऑफलाइन संपूर्ण कार्य का बहिष्कार करेंगे। यह कार्य बहिष्कार तब तक के लिए जारी रहेगा जब तक कि उप जिलाधिकारी को तहसील नगीना से हटाया नहीं जाता है एवं पदाधिकारियों/लेखपालों पर की गई कार्यवाही वापस नहीं ली जाती है।

मदरसा विवाद के चलते मदरसे मे खुली बैठक का आयोजन कर 4 सदस्य को निकाला

✷ **एनसीआर टुडे. बढ़ापुर** ✷

थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले एक गांव में मदरसे के विवाद के चलते मदरसा कमेटी की औऱ से खुली बैठक का आयोजन कर मदरसे में शामिल कुछ लोगो को विरोध के बाद मदरसे से निकालने का निर्णय लिया गया। जिसके चलते हुए नोटिस के बाद चारों लोगो को मदरसे से निकालने की आधिकारिक घोषणा की गई।

बताया जाता है कि थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव शाहअलीपुर कोटरा उर्फ गावड़ी में मदरसा जामिया अयनुल उलूम की सोसायटी द्वारा रजिस्टर्ड कमेटी का गठन किया गया था। जिसमे मदरसा जामिया अयनुल उलूम समिति के नाम से रजिस्ट्रेशन किया गया है। जिसमे सालिह जरीन अध्यक्ष गुलज़ार मलिक उपाध्यक्ष तथा खुर्शीद अहमद को प्रबन्धक नियुक्त किया गया था।

उक्त मदरसे के पास खाली पड़ी भूमि पर मालिकाना हक को लेकर कमेटी में दो फाड़ हो गयें। जिस कारण कमेटी में हो रहे लगातार विवाद को देखते हुए गांव में खुली बैठक का आयोजन किया गया जिसमें गांव के लोगो ने कमेटी पर एतराज जताते हुए मदरसे में शिक्षक के रूप में तैनात मुफ़्ती वसीम उनकी पत्नी हाफीजा शानुद्दीन व उनकी पत्नी खालिदा पर लगे विभिन्न प्रकार के आरोपों के बाद प्रश्ताव रजिस्टर में प्रश्ताव के बाद उपरोक्त चारों लोगो के मदरसे की मुलाजमत(नोकरी) से निकाल दिया गया है।

इसके अलावा जिस भूमि को लेकर विवाद उत्पन्न हुआ था वह भी मदरसे को सौंप दी गई है। गुरुवार को आयोजित खुली बैठक में कमेटी के लोगो मे आयशा खातून, गुलशन जहाँ, नफीस अहमद, इसरार अहमद, खुर्शीद, मोहम्मद सलमान, मोहम्मद सुलेमान, शमशाद हुसैन, अशरफ मोहम्मद, असलम इमामुद्दीन, मोहम्मद अल्ताफ, साजिद, मोहम्मद सुलेमान, तस्लीम अहमद, मोहम्मद इरफान, मोहम्मद शमी, मोहम्मद यूसुफ, इजहार अहमद, अब्दुल कादिर, फरगन फुरकान, मोहम्मद अरशद, जैनुल, इस्लाम, दिलशाद, नईमुद्दीन, इरशाद, शकील अहमद आदि ग्रामीण शमील रहे।

ब्लाक के डबाकरा हाल के बहार खडी बाइक चोरी, पुलिस को दी तहरीर

✷ **एनसीआर टुडे. नहटौर** ✷

ब्लॉक परिसर से बाइक चोरी होने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। डवाकरा हाल के बाहर खड़ी एक कर्मचारी की बाइक चोरी हो गई। ग्राम पंचायत सचिवो ने कर्मचारी के साथ थाने पहुंचकर पुलिस से शिकायत करते हुए कार्रवाई की मांग की है।

प्राप्त समाचार के अनुसार ब्लॉक कर्मचारी दीपक कुमार की बाईक डवाकरा हाल के सामने खड़ी हुई थी। जब शुक्रवार की अपराह्न दीपक ने आकर देखा तो बाईक गायब थी। बाईक चोरी होने का पता चलने पर ग्राम पंचायत सचिव आदि भी मौके पर पहुंच गए। आसपास बाईक की तलाश की गई लेकिन बाईक का कोई अता पता नही लग सका। जिसके बाद दीपक ने ब्लॉक के अन्य कर्मचारियो के साथ थाने पहुंचकर पुलिस से शिकायत की।कुछ दिन पूर्व भी ब्लॉक से एक अन्य कर्मचारी की बाईक चोरी हो चुकी है।जिसका आज तक कोई अता पता नहीं लग सका है।लगातार ब्लॉक परिसर से बाईक चोरी की वारदात हो रही है।

उत्तर रेलवे

शुद्धिपत्र

इलेक्ट्रॉनिक निविदा ई प्रणाली के अंतर्गत मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य सामग्री प्रबंधक उत्तर रेलवे नई दिल्ली – 110001 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मदो के लिए ई – निविदा आमंत्रित की जाती है:–

क्र.सं.	निविदा सं.	संछिप्त विवरण	मात्रा	अन्तिम तिथि
1.	82245004	आपातकालीन चिकित्सा बक्से	328 नग	06.10.2025

निविदा शर्तें : 1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानि **www.ireps.gov.in** पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जाएगी। **टेंडर नोटिस सं. टेबलेट/इंजेक्शन और दवाएं दिनांक: 12.09.2025** **2793/2025**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

प्रधान प्रमुख चिकित्सा निदेशक का कार्यालय, केंद्रीय चिकित्सालय, उत्तर रेलवे, बंसत लेन, नई दिल्ली–110055

फाईल सं० ई/मेड/एस आर/74/के0चि0/2025

विज्ञापन सं० एन आर सी एच/एस आर/2025/02 **10.09.2025**

सिनियर रेजीडेंट को आबंध करना

उत्तर रेलवे केंद्रीय चिकित्सालय में सीनियर रेजीडेंसी योजना के अंतर्गत सीनियर रेजीडेंट पद के लिए योग्य उम्मीद्वारो से आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाते है. विज्ञापन की विस्तृत जानकारी सेवा शर्ते, आवेदन–पत्र, शपत–पत्र आदि उत्तर रेलवे की वेवसाईट www.nr.indianrailways.gov.in under head News & Recruitment info. पर उपलबध है.

प्रधान प्रमुख चिकित्सा निदेशक, उत्तर रेलवे केन्द्रीय अस्पताल, बसन्त लेन, नई दिल्ली

2800/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

नीति और नियत से नया भारत!

भारत आज एक ऐसे मुकाम पर खड़ा है, जहाँ आर्थिक नीतियां केवल वित्तीय संतुलन का उपकरण नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और राष्ट्र निर्माण का माध्यम बन चुकी हैं। जीएसटी परिषद का हालिया निर्णय इसका सशक्त प्रमाण है। दरों को सरल बनाकर पाँच और अठारह प्रतिशत की दो श्रेणियों में सीमित करना तथा विलासिता और नुकसानदेह वस्तुओं पर उच्चतम दर लागू करना केवल कर ढांचे की जटिलताओं को कम करने का प्रयास नहीं है, बल्कि यह संकेत है कि सरकार नागरिकों और कारोबारियों के बीच विश्वास को प्राथमिकता देती है।

महामारी के समय राज्यों की आय-हानि की भरपाई हेतु उठाए गए ऋण को उपकर से सीमित अवधि में चुकता करने का संकल्प भी यही दर्शाता है कि सरकार आर्थिक अनुशासन और संघीय सहयोग दोनों पर समान रूप से केंद्रित है। लेकिन मोदी सरकार का दृष्टिकोण केवल कर सुधार तक सीमित नहीं है। प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस पर अगली पीढ़ी के सुधारों की घोषणा करते हुए यह स्पष्ट कर दिया कि भारत की नीतियां आज नहीं, आने वाले कल की चुनौतियों और अवसरों को ध्यान में रखकर गढ़ी जा रही हैं।

यही दूरदर्शिता राष्ट्र निर्माण की सच्ची कसौटी है। सुधारों का मकसद केवल आंकड़े सुधारना नहीं, समाज की संरचना को मजबूत करना, अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक विकास पहुँचाना और हर नागरिक के जीवन स्तर को ऊँचा उठाना है।

विनिवेश पर नए सिरे से दिया गया जोर इसी व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा है। अब सरकार ने यह स्पष्ट किया है कि विनिवेश केवल राजस्व जुटाने का साधन नहीं, यह शासन व्यवस्था को अधिक चुस्त, पारदर्शी और सक्षम बनाने का साधन है। गैर-रणनीतिक क्षेत्रों में सार्वजनिक उपक्रमों से सरकार की हिस्सेदारी कम होना का अर्थ है निजी क्षेत्र के लिए अवसरों का विस्तार और संसाधनों का बेहतर उपयोग।

इससे न केवल दक्षता बढ़ती है, रोजगार और उद्यमिता की संभावनाएं भी मजबूत होती हैं। वहीं रणनीतिक क्षेत्रों में सरकार की उपस्थिति यह संदेश देती है कि राष्ट्रीय सुरक्षा और बुनियादी ढांचे जैसे संवेदनशील विषयों पर राज्य की भूमिका अपरिहार्य है। सरकार ने वार्षिक विनिवेश लक्ष्य तय करने की परंपरा समाप्त कर दी है।

यह बदलाव मामूली नहीं, बेहद गहन महत्व रखता है। पहले यह प्रक्रिया अक्सर राजकोषीय घाटे को कम करने की कवायद बन जाती थी। अब यह स्पष्ट है कि विनिवेश से जुटाई गई राशि दीर्घकालिक पूंजीगत निवेश, अवसंरचना निर्माण, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों पर केंद्रित होगी। इससे न केवल विकास की गति तेज होगी बल्कि भविष्य की पीढ़ियों पर सार्वजनिक ऋण का बोझ भी कम होगा।

इतना ही नहीं इन निर्णयों के पीछे जो मूल विचार है, वह है भविष्योन्मुखी दृष्टि और सामाजिक न्याय का संतुलन। कर सुधार छोटे कारोबारियों को राहत देकर स्थानीय स्तर पर उत्पादन और रोजगार को प्रोत्साहित करेंगे। इससे आर्थिक असमानता कम होगी और समाज के कमजोर वर्गों को मजबूती मिलेगी। वहीं विनिवेश से मिलने वाले संसाधन यदि शिक्षा, कौशल विकास और स्वास्थ्य जैसी आधारभूत जरूरतों में लगाए जाएं तो यह सीधे-सीधे ज्ञानोदय का और बढ़ाया गया कदम होगा। यही वह बिंदु है जहां अंत्योदय और ज्ञानोदय आपस में मिलते हैं।

सबसे अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की आर्थिक और सामाजिक बेहतरी से ही समाज का सामूहिक उत्थान संभव है। मोदी सरकार की नीतियों में विश्वास की एक स्पष्ट धारा दिखाई देती है। महामारी के कठिन दौर में राज्यों की जरूरतों को पूरा करने के लिए केंद्र ने ऋण लेकर सहयोग दिया।अब उसी ऋण को समयबद्ध तरीके से चुकाने का निर्णय यह दर्शाता है कि भारत केवल आर्थिक प्रबंधन ही नहीं, बल्कि जिम्मेदार शासन की मिसाल भी प्रस्तुत कर रहा है। यह विश्वास का ताना-बाना ही है जो संघीय ढांचे को मजबूत करता है और भारत जैसे विविधतापूर्ण राष्ट्र को एकजुट रखता है।

विकास तभी स्थायी होता है जब वह समावेशी हो। मोदी सरकार बार-बार यह संदेश देती रही है कि विकास की धारा केवल महानगरों तक सीमित न होकर गांव, किसानों, महिलाओं, युवाओं और श्रमिकों तक पहुँचे। कर ढांचे की सरलता, विनिवेश की पारदर्शिता और संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग से यही सुनिश्चित किया जा रहा है।

यह दृष्टिकोण स्पष्ट करता है कि सरकार का लक्ष्य केवल आर्थिक महाशक्ति बनना नहीं, बल्कि सामाजिक रूप से न्यायपूर्ण राष्ट्र बनाना है। विश्वास और पारदर्शिता का यह संगम अंतरराष्ट्रीय श्तर पर भी भारत की छवि को मजबूत करता है। विदेशी निवेशक तभी किसी अर्थव्यवस्था में भरोसा करते हैं जब उन्हें नीति-निर्माण में स्पष्टता और दीर्घकालिक स्थिरता नजर आती है। हालिया निर्णय यही संदेश देते हैं कि भारत अपनी आर्थिक यात्रा में केवल अल्पकालिक राजस्व की चिंता नहीं करता, पीढ़ियों के भविष्य की चिंता करता है।

कुल मिलाकर, मोदी सरकार की आर्थिक और सामाजिक नीतियां यह प्रमाणित करती हैं कि उसका सरोकार सत्ता संचालन तक सीमित नहीं है। उसका लक्ष्य है एक ऐसे राष्ट्र का निर्माण, जहाँ हर नागरिक के जीवन में विकास का प्रकाश पहुँचे, जहाँ संसाधनों का वितरण न्यायपूर्ण हो और जहाँ आने वाली पीढ़ियाँ एक सक्षम, आत्मनिर्भर और सशक्त भारत की विरासत पाएँ।

यही वह यात्रा है जो अंत्योदय से ज्ञानोदय तक जाती है और जब यह यात्रा पूरी होगी, तब भारत केवल आर्थिक शक्ति के रूप में नहीं, बल्कि विश्व को यह संदेश देने वाले राष्ट्र के रूप में उभरेगा कि विकास का वास्तविक अर्थ है विश्वास, न्याय और दूरदर्शिता का संगम। यही सच्चा राष्ट्र निर्माण है और यही मोदी सरकार की नीति और नियत का सार है।

श्रद्धापूर्वक किया गया कार्य ही श्राद्ध है

रमेश सर्राफ धमोरा

श्राद्ध का अर्थ है श्रद्धापूर्वक किया गया कार्य जिससे पितरों को शांति मिलती है। श्राद्ध की उत्पत्ति पूर्वजों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता से हुई है जिसकी शुरुआत वैदिक काल से मानी जाती है।

महाभारत के अनुसार सबसे पहले महर्षि निमि ने अत्रि मुनि के उपदेश से श्राद्ध किया और यह परंपरा धीरे-धीरे प्रचलित हुई। पितृ दोष होने पर व्यक्ति को कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है इसलिए पितृपक्ष में पितरों का स्मरण और पूजन करना आवश्यक है।

हिंदू धर्म में पितृ पक्ष का विशेष महत्व है। पितृ पक्ष को श्राद्ध पक्ष के नाम से भी जाना जाता है। पितृ पक्ष में पितरों का श्राद्ध और तर्पण किया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पितृ पक्ष के दौरान पितर संबंधित कार्य करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस पक्ष में विधि- विधान से पितर संबंधित कार्य करने से पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

श्राद्ध सूक्ष्म शरीरों के लिए वही काम करते हैं जो कि जन्म के पूर्व और जन्म के समय के संस्कार स्थूल शरीर के लिए करते हैं। इसलिए शास्त्र पूर्व जन्म के आधार पर ही कर्मकाण्ड से श्राद्धादि कर्म का विधान निर्मित करते हैं। सभी संस्कारों विवाह को छोड़कर श्राद्ध ही ऐसा धार्मिक कृत्य है जिसे लोग पर्याप्त धार्मिक उत्साह से करते हैं।

विवाह में बहुत से लोग कुछ विधियों को छोड़ भी देते हैं। परन्तु श्राद्ध कर्म में नियमों की अनदेखी नहीं की जाती है। क्योंकि श्राद्ध का मुख्य उद्देश्य परलोक की यात्रा की सुविधा करना है। भाद्रपद मास की पूर्णिमा से पितृ पक्ष शुरू होकर कुल 16 दिनों तक चलने वाले श्राद्ध में अश्विन मास की अमावस्या तक पितृ पृथ्वी पर वास करेंगे। इन 16 दिनों तक पितरों को प्रसन्न करने के लिए उन्हे यज्ञ, जल से तर्पण दिया जाएगा।

इस दौरान पितरों की आत्मा की शांति के लिए जगह-जगह पिंडदान, नारायण बलि, जल तर्पण आदि कर्मकांडों से उन्हें प्रसन्न करने की कोशिश की जाती है।

आश्विन कृष्ण प्रतिपदा से लेकर अमावस्या तक ब्रह्माण्ड की ऊर्जा तथा उस उर्जा के साथ पितृप्राण पृथ्वी पर व्याप्त रहता है। धार्मिक ग्रंथों में मृत्यु के बाद आत्मा की स्थिति का बड़ा सुन्दर और वैज्ञानिक विवेचन भी मिलता है। पुराणों के अनुसार पितृपक्ष में जो तर्पण किया जाता है उससे वह पितृप्राण स्वयं आप्यायित होता है। पुत्र या उसके नाम से उसका परिवार जौ तथा चावल का पिण्ड देता है।

उसमें से अंश लेकर वह अम्भप्राण का ऋण चुका देता है। ठीक आश्विन कृष्ण प्रतिपदा से वह चक्र उध्र्वमुख होने लगता है। 15 दिन अपना-अपना भाग लेकर शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से पितर उसी ब्रह्मांडीय उर्जा के साथ वापस चले जाते हैं। इसलिए इसको पितृपक्ष कहते हैं और इसी पक्ष में श्राद्ध करने से पित्तरों को प्राप्त होता है।

श्राद्ध पितरों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता अभिव्यक्त करने तथा उन्हें याद करने के निमित्त किया जाता है। इसके पीछे मान्यता है कि जिन पूर्वजों के कारण हम आज अस्तित्व में हैं। जिनसे गुण हमें विरासत में मिलें हैं। उनका हम पर न चुकाये जा सकने वाला ऋण है। पितरों की आत्मा की शांति के लिए पितृ पक्ष में जो तर्पण किया जाता है। उसके पीछे धार्मिक मान्यता है कि इससे पितरों को स्वर्ग प्राप्त होता है और उनकी आत्मा को शांति मिलती है।

मंदिरों और नदियों के किनारे पितरों को तर्पण देने की सदियों से चली आ रही धार्मिक परम्परा आज भी अनवरत रूप से जारी है। श्राद्ध का अर्थ है श्रद्धा (सच्चा विश्वास और प्रेम) से किया जाने वाला कर्मकांड जो मृत पूर्वजों (पितरों) की आत्मा की शांति और तृप्ति के लिए किया जाता है। यह उनके प्रति कृतज्ञता, सम्मान और स्मरण भाव को व्यक्त करने का

एक तरीका है, और इसके माध्यम से उन्हें संतुष्ट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया जाता है।

श्राद्ध का वैज्ञानिक पहलू भी है। वेदों में, दर्शन शास्त्रों में, उपनिषदों एवं पुराणों आदि में हमारे ऋषियों-मनीषियों ने इस विषय पर विश्तृत विचार किया है। श्रीमद्भागवत गीता में भी स्पष्ट रूप से बताया गया है कि जन्म लेने वाले की मृत्यु और मृत्यु को प्राप्त होने वाले का जन्म निश्चित है। यह प्रकृति का नियम है। शरीर नष्ट होता है मगर आत्मा कभी भी नष्ट नहीं होती है। वह पुनः जन्म लेती है और बार-बार जन्म लेती है। इस पुनः जन्म के आधार पर ही कर्मकाण्ड में श्राद्धदि कर्म का विधान निर्मित किया गया है।

इसलिए हिंदू धर्म शास्त्रों में श्राद्ध करने का विशेष विधान बताया गया है। श्रद्धया इदं श्राद्धम, अर्थात जो श्रद्धा से किया जाये वही श्राद्ध है। श्राद्ध प्रथा वैदिक काल के बाद शुरू हुई और इसके मूल में इसी श्लोक की भावना है। उचित समय पर शास्त्र सम्मत विधि द्वारा पितरों के लिए श्रद्धा भाव से मन्त्रों के साथ जो दान-दक्षिणा आदि दिया जाय वही श्राद्ध कहलाता है। भाद्रपद मास की पूर्णिमा के दिन सूर्य के कन्या राशि में प्रवेश करने पर इस दिन इसे कनायत भी कहते हैं और इसी दिन से पितृ पक्ष शुरू होता है।

पुराणों में इसके आयोजन को लेकर कई कथाएं हैं। जिसमें कर्ण के पुनर्जन्म की कथा काफी प्रचलित है। हिन्दू धर्म में सर्वमान्य श्री रामचरित में भी श्री राम के द्वारा राजा दशरथ और जटायु को गोदावरी नदी पर जलांजलि देने का उल्लेख है। भरत के द्वारा दशरथ हेतु दशगात्र विधान का उल्लेख भरत कीन्हि दशगात्र विधाना तुलसी रामायण में हुआ है।

भारतीय धर्मग्रंथों के अनुसार मनुष्य पर तीन प्रकार के ऋण प्रमुख माने गए हैं- पितृ ऋण, देव ऋण तथा ऋषि ऋण। इनमें पितृ ऋण सर्वोपरि है। पितृ ऋण में पिता के अतिरिक्त माता तथा वे सब बुजुर्ग भी सम्मिलित हैं, जिन्होंने हमें अपना जीवन धारण करने तथा उसका विकास करने में सहयोग दिया। पितृपक्ष में हिन्दू लोग मन कर्म एवं वाणी से संयम का जीवन जीते हैं। पितरों को स्मरण करके जल चढ़ाते हैं। निर्धनों एवं ब्राह्मणों को दान देते हैं।

विष्णु पुराण के अनुसार दरिद्र व्यक्ति केवल मोटा अन्न, जंगली साग, फल और न्यूनतम दक्षिणा यदि वह भी ना हो तो सात या आठ तिल अंजलि में जल के साथ लेकर ब्राह्मण को देना चाहिए या किसी गाय को दिन भर घास खिला देनी चाहिए। अन्यथा हाथ उठाकर दिक्पालों और सूर्य से याचना करनी चाहिए कि हे प्रभु मैंने हाथ वायु में फैला दिये हैं, मेरे पितर मेरी भक्ति से संतुष्ट हों। देश में श्राद्ध के लिए हरिद्वार, गंगासागर, जगन्नाथपुरी, कुरुक्षेत्र, चित्रकूट, पुष्कर, बद्रीनाथ सहित कई स्थानों को महत्वपूर्ण माना गया है। लेकिन गया का स्थान उसमें सर्वोपरि कहा गया है।

गया में फल्गु नदी के किनारे श्राद्ध कर्म करना सबसे ज्यादा पुण्य प्रदान करने वाला माना जाता है। जो व्यक्ति गया में श्राद्ध करने जाता है उसको पूरे पितृ पक्ष वहीं रह कर श्राद्ध क्रिया पूरी करनी पड़ती है। गया में पिंडदान करने से सात पीढियों का उद्धार हो जाता है। गया जी में पूरे साल पिंडदान किया जाता है। शास्त्रों में पितरों के लिए पितृपक्ष के दौरान पिंडदान करने का अलग महत्व बताया गया है। मान्यता है कि गया जी में श्राद्ध कर्मकांड सृष्टि के रचना काल से शुरू है। वायुपुराण, अग्निपुराण तथा रूढ पुराण में गया तीर्थ का वर्णन है।

भगवान ब्रह्मा ने पृथ्वी पर आकर फल्गु नदी में प्रेतशिला पर पिंडदान किया था। त्रेता युग में भी भगवान श्रीराम भी अपने पिता राजा दशरथ के मरणोपरांत फल्गु नदी के तट पर श्राद्ध, तर्पण, पिंडदान, कर्मकांड को कर पितृऋण से मुक्त हुए थे।

श्राद्ध महिमा में कहा गया है- आयुः पूजां धनं विद्यां स्वर्ग मोक्ष सुखानि च। प्रयच्छति तथा राज्यं पितरः श्राद्ध तर्पिता।।-अर्थात जो लोग अपने पितरों का श्राद्ध श्रद्धापूर्वक करते हैं, उनके पितर संतुष्ट होकर उन्हें आयु, संतान, धन, स्वर्ग, राज्य मोक्ष व अन्य सौभाग्य प्रदान करते हैं।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं)

अस्थिरता के दौर से गुजरता नेपाल

प्रमोद भार्गव

भारत का पड़ोसी देश नेपाल जबसे कम्युनिस्ट देश बना हैं, तब से चीन के दबाव के चलते यहां लगातार अस्थिरता बनी हुई है। इस बार नेपाल भीशण संकट में है। यह संकट इसलिए बढ़ा, क्योंकि राजशाही खत्म होने के बाद संघीय सरकार से युवाओं को अपेक्षा थी कि देश में राजनीतिक स्थिरता तो कायम होगी ही, सरकारी नौकरियों और अन्य रोजगारों की संभावना भी बढ़ेगी। लेकिन 17 साल के गैर राजतांत्रिक नेपाल में 15 सरकारें तो बदलीं, परंतु हालात नहीं बदले। इसी बीच राजशाही और नेपाल को हिंदू राष्ट्र बनाने की मांगे भी उठती रही हैं। ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो से जनता को पता चला कि मंत्री और उनके परिजन देश-विदेश में ऐशोआराम की जिंदगी जी रहे हैं।

उनके बच्चे विदेशों में अच्छी शिक्षा ले रहे हैं। ब्रांडेड सामान के साथ फाइव स्टार जीवन विदेशों में व्यतीत कर रहे हैं। इस वैभव की पृष्ठभूमि में सरकारी श्तर पर फैले भ्रष्टाचार को मुख्य कारण माना। जबकि गरीब युवा प्रतिदिन तीन हजार से ज्यादा की संख्या में पलायन करने को विवश हो रहे हैं।

इस आंदोलन को पहले दक्षिणपंथी करार देने की कोशिशें हुईं, लेकिन वाश्तव में यह आक्रोश उस कुंठा के चलते उपजा जो नेताओं और उनके परिजनों के वीडियों में भोग-विलास का जीवन जीते हुए दिखा। नेपाल में हिंसा और अराजकता इस हद तक फैली कि आंदोलनकारियों ने संसद भवन, प्रधानमंत्री, राश्ट्रपति और मंत्रियों तक के घर जला दिए।

प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को इश्तीफा देना पड़ा और पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा की पत्नी को जिंदा जला दिया। देश की सत्ता की इस राख में 22 युवाओं की सेना और पुलिस की गोलाबारी में हुईं मौतों की राख भी मिल गई।

इस आंदोलन को सोशल मीडिया के साथ खासतौर से जेन-जी पर पाबंदी माना जा रहा है। हालांकि यह रोक युवाओं का आक्रोश देखने के बाद हटा ली गई थी। जेन-जी यानी जेनरेशन-जेड का बोध कराने वाली वह पीढ़ी है, जिनका जन्म 1997 से लेकर 2012 के बीच हुआ है। यानी वर्तमान में ये आंदोलनकारी किशोर एवं युवा हैं।

इस आग में घी डालने का काम सुदन गुरुंग और बालेन शाह ने जेन-जी पर उपस्थित दर्ज कराकर कर दिया। सुदन ओली सरकार के खिलाफ भ्रश्टाचार और परिवारवाद की मुहिम पूर्व से ही चला रहे थे। कुछ नेताओं की बढ़ती संपत्ति के विरुद्ध भी मोर्चा खोले हुए थे। इसी बीच 4 सितंबर को सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगा दिया गया तो राजधानी काठमांडू के महापौर बालेन शाह सक्रिय हो गए। उन्होंने सोशल मीडिया एक्सेस किया और लिखा, 'कल की रैली जेन-जी की रैली है। इस रैली में कोई भी पार्टी, नेता, सांसद एवं कार्यकर्ता को निजी लाभ के लिए शामिल होने की जरूरत नहीं है। उम्र के कारण मैं जा नहीं सकता, लेकिन मेरा पूरा समर्थन है।' बालेन के चाहने वाले लाखों में हैं।

इस पोस्ट को 20,000 से ज्यादा लोगों ने साझा किया। देखते-देखते आंदोलन की दशा और दिशा तय हो गई और लाखों युवा आंदोलन के लिए काठमांडू की सड़कों पर उतर आए। संसद और राष्ट्रपति भवन पर कब्जा कर लिया, प्रधानमंत्री आवास पर पत्थरबाजी की और पूरे शहर में ऐसा तांडव मचाया कि सेना और पुलिस को नियंत्रण के लिए संयुक्त अभियान चलाना पड़। नेपाल के इतिहास में इसे बड़ी तख्तापलट की घटना के रूप में देखा जा रहा है। इससे पहले बांग्लादेश और श्रीलंका में भी इसी तरह का जनआक्रोश फूट चुका है। वहां की सरकारें अपदस्थ हुई हैं।

नेपाल में हिंदू राष्ट्र घोषित किए जाने की मांग भी लंबे समय से उठ रही है। वहां अनेक संगठन सड़कों पर उतरकर राजशाही के पक्ष में आंदोलन कर चुके हैं। इस मांग में पुरुशों के साथ महिलाएं भी कंधे से कंधा मिलाकर आंदोलन में षामिल रही हैं। इस मांग को मुख्य रूप से राश्ट्रवादी राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी कर रही है। यह नेपाल की पांचवीं सबसे बड़ी पार्टी है। इस दल के प्रवक्ता मोहन श्रेष्ठ की मांग है कि नेपाल में राजशाही की पुनर्बहाली हो और इसे हिंदू राष्ट्र घोषित किया जाए। नेपाल को 2007 में पंथनिरपेक्ष राष्ट्र घोषित किया गया था। नतीजतन 2008 में राजशाही व्यवस्था समाप्त कर दी गई थी। 2008 में नेपाल के गणराज्य बनने के बाद से कारोबारी दुर्गा प्रसाई आंदोलन को हवा दे रहे हैं। एक समय प्रसाई के प्रधानमंत्री प्रचंड और ओली के साथ घनिष्ठ संबंध थे, लेकिन बाद में वे दोनों के आलोचक हो गए। इसी समय राजशाही के दौर में गृहमंत्री रहे कमल थापा ने हिंदू राष्ट्र की मांग के लिए नया गठबंधन बना लिया है। पूर्व नरेश ज्ञानेंद्र शाह भी एकाएक सक्रिय होकर सार्वजनिक कार्यक्रमों में भागीदारी करने लगे हैं। वह मंदिरों में होने वाली पूजा में शामिल हो रहे हैं।

दरअसल नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी का चीन की गोद में बैठना और भारत विरोधी अभियान चलाना देश की जनता को नागवार गुजर रहा है। नेपाल के मुसलमान भी देश को हिंदू राष्ट्र बनाने के पक्ष में हैं। समाज के कुछ नेताओं का मानना है कि हिंदू राष्ट्र का दर्जा खत्म होने के बाद से नेपाल में ईसाई मिशनरियां ज्यादा सक्रिय हो गई हैं। मिशनरी इस स्थिति का फायदा उठाकर लोगों का धर्म परिवर्तन करवा रही हैं। यूसीपीएन माओवादी के मुस्लिम मुक्ति मोर्चा भी मिशनरियों के बढ़ते प्रभाव को स्वीकार नहीं करता है। राष्ट्रवादी मुस्लिम मोर्चा भी देश की धर्मनिरपेक्ष पहचान नहीं चाहता है। 80 फीसद मुस्लिम आबादी देश की हिंदू पहचान बहाल करने के पक्ष में है।

गौरतलब है कि राजनीतिक दलों के बीच नए संविधान में देश की धर्मनिरपेक्षता की पहचान खत्म करने को लेकर सहमति बनी थी। इसके बाद से यह मांग और तेज हो गई है। देश के सभी समुदाओं के लोग मानते हैं कि पुरानी हिंदू पहचान की बहाली का कोई विकल्प नहीं है। धर्मनिरपेक्षता हिंदू-मुस्लिम एकता तोड़ने की साजिश है। दरअसल सात साल पहले दो नेपाली युवकों को बुटवॉल में पुराने राष्ट्रगान को गाने की वजह से पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद से ही पूरे नेपाल में इस राष्ट्रगान को गाने का सिलसिला चलने के साथ हिंदू राज की पुनर्स्थापना की मांग उठ रही है।

हिमालय की गोद में बसा नेपाल एक छोटा और सुंदर देश है। पूरी दुनिया में नेपाल ही एकमात्र ऐसा देश है, जिसे आज तक कोई दूसरा देश परतंत्र नहीं बना पाया। इसलिए यहां स्वतंत्रता दिवस नहीं मनाया जाता। किंतु चीन के लगातार बढ़ रहे हश्तक्षेप के चलते लोगों को लगने लगा है कि कहीं यह हिंदू धर्मावलंबी देश अपनी मौलिक संस्कृति व स्वतंत्रता न खो दे ? नेपाल एक दक्षिण एशियाई देश है। नेपाल के उत्तर में चीन का स्वायत्तशासी प्रदेश तिब्बत है।

जिसे चीन निगलता जा रहा है। दक्षिण पूर्व व पश्चिम में भारत की सीमा लगती है। नेपाल की 85.5 प्रतिशत आबादी हिंदू है, इसलिए वह प्रतिशत के आधार पर सबसे बड़ा हिंदू धर्मावलंबी देश है। नेपाल में लंबे समय तक राजशाही रही है। किंतु राजशाही के खूनी दुखद अंत के बाद यहां माओवादी नेता प्रचंड के प्रधानमंत्री बनने से सामंतशाही सिमटती चली गई और 18 मई 2006 को राजा के अधिकारों में कटौती कर नेपाल को एक धर्मनिरपेक्ष राज्य घोषित कर माओवादी लोकतंत्र की शुरूआत हो गई। तभी से चीनी हश्तक्षेप के चलते यहां के मूल स्वरूप को बदलने के अलावा भारत के साथ संबंध खराब होने की शुरुआत भी हो गई थी।

केपी शर्मा ओली के प्रधानमंत्री रहते हुए चीन के दबाव में न केवल भारत से शत्रुतापूर्ण संबंधों की बुनियाद रखी थी, बल्कि चीनी सेना को खुली छूट देकर अपनी जमीन भी खोना शुरू कर दी। जाहिर है, नेपाल में लोकतांत्रिक व्यवस्था की स्थापना तो हो गई, लेकिन लचर नेतृत्व के चलते यह देश अपना अशितत्व खोने की कगार पर आ खड़ा हुआ है। इसी चिंता से यह आक्रोश उपजा है।

हमारे पड़ोसी देशों में नेपाल और भूटान ऐसे देश हैं, जिनके साथ हमारे संबंध विश्वास और स्थिरता के रहे हैं। यही वजह है कि भारत और नेपाल के बीच 1950 में हुई सुलह, शांति और दोश्ती की संधि आज भी कायम है। नेपाल और भूटान से जुड़ी 1850 किमी लंबी सीमा रेखा बिना किसी पुख्ता पहरेदारी के खुली है। बावजूद चीन, पाकिश्तान और बांग्लादेश की तरह कोई ठोस विवाद नहीं है।

बिना पारपत्र के आवाजाही निरंतर जारी है। करीब 60 लाख नेपाली भारत में काम करके रोजी-रोटी कमा रहे हैं। 3000 नेपाली छात्रों को भारत हर साल छात्रवृत्ति देता है। नेपाल के विदेशी निवेश में भी अब तक का सबसे बड़ा 47 प्रतिशत हिस्सा भारत का है। बावजूद यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि नेपाल का झुकाव चीन की ओर बढ़ता जा रहा है। हालांकि नरेंद्र मोदी ने अगश्त 2014 में नेपाल की यात्रा करके बिगड़ते संबंधों को आत्मीय बनाने की सार्थक पहल की थी, किंतु भारतीय मूल के मधेषियों के आंदोलन ने इस पर पानी फेर दिया था।

नेपाल और चीन के बीच द्विपक्षीय संबंधों के तहत ऐतिहासिक पारगमन व्यापार समझौते समेत 10 समझौतों की शुरूआत करके नेपाल ने चीन से रिश्ते मजबूत कर लिए हैं। चीन और नेपाल के बीच तिब्बत के राश्ते रेलमार्ग बनाने पर भी संधि हुई है। चीन ने काठमांडू से करीब 200 किमी दूर पोखरा में क्षेत्रीय हवाई अड्डा निर्माण के लिए नेपाल को 21000 डॉलर का सश्ती ब्याज दर पर ऋण दिया है। मुक्त व्यापार समझौते पर भी हश्ताक्षर हुए हैं। नेपाल में तेल और गैस की खोज करने पर भी चीन सहमत हुआ है। इसके लिए वह नेपाल को आर्थिक और तकनीकी मदद देने को राजी हो है।

चीन ने नेपाल में अपने व्यावसायिक बैंक की शाखाएं भी खोल दी हैं। नेपाली बैंक भी अपनी शाखाएं चीन में खोल रहे हैं। संस्कृति, शिक्षा, भाषा और पर्यटन जैसे मुद्दों पर भी चीन का दखल नेपाल में बढ़ गया है। अर्से से इन्हीं कुटिल कूटनीतिक चालों के चलते कम्युनिष्ट विचारधारा के पोषक चीन माओवादी नेपालियों को अपनी गिरफ्त में लेकर अपनी साम्राज्यवादी लिप्सा को आगे बढ़ा रहा है। इस चीनी लिप्सा के प्रतिरोध में भी यह संकट देखा जा रहा है।अतएव इस तत्काल के संकट को किसी एक दृष्टिकोण से देखा जाना भूल होगी।

नेपाल में पुरानी व्यवस्था के विरुद्ध जेनरेशन जेड की सम्पूर्ण क्रांति

नित्य चक्रवर्ती

नेपाल में उथल-पुथल अभी भी जारी है। नेपाली सेना प्रमुख और देश के राष्ट्रपति छात्र आंदोलनकारियों के साथ तनाव कम करने और बातचीत करने की कोशिश कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों के पास कोई तैयार कार्यक्रम नहीं है।

वे केवल भ्रष्टाचार और राजनीतिक दलों के खिलाफ लड़ाई की बात कर रहे हैं। अगले कुछ दिन बताएंगे कि नेपाल में राजनीति का अगला रुख क्या होगा।

नेपाल में 8 और 9 सितंबर को हुए दो दिवसीय विद्रोह, जिसके परिणामस्वरूप संसद भवन, सर्वोच्च न्यायालय और वर्तमान एवं पूर्व शक्तिशाली मंत्रियों के सरकारी एवं निजी आवासों पर हुए हमलों और आगजनी के बाद केपीएसओली सरकार को सत्ता से बेदखल होना पड़ा, भारत के इस हिमालयी पड़ोसी देश में जेनरेशन जेड द्वारा स्थापित राजनीतिक व्यवस्था और देश की कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका में उसके प्रतीकों के विरुद्ध सम्पूर्ण विद्रोह की अभिव्यक्ति थी।

नेपाल में युवाओं द्वारा किया गया विद्रोह अगश्त 2024 में बांग्लादेश में हुए घटनाक्रम और 2022 में श्रीलंका में हुए छात्र विद्रोह से कई मायनों में भिन्न है। नेपाल में, इसने मात्र दो दिनों में एक व्यापक रूप ले लिया, जिसकी शुरुआत पहले ही दिन पुलिस द्वारा 19 प्रदर्शनकारियों की हत्या से हुई। अब तक मृतकों की संख्या 25 हो चुकी है।

इसके अलावा, छात्रों का गुस्सा हिंसक हो गया और उन्होंने तीनों कम्युनिस्ट पार्टियों और नेपाली कांग्रेस समेत सभी स्थापित राजनीतिक दलों के कार्यालयों को आग के हवाले कर दिया। गौरतलब है कि नेपाल में, काठमांडू और दो-तीन अन्य शहरों में, स्कूली छात्रों, खासकर लड़कियों, ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिनमें से कई कुलीन परिवारों से ताल्लुक रखती थीं।

इस तरह, नेपाल में यह विद्रोह इंस्टाग्राम और फेसबुक पीढ़ी का विद्रोह है, जिनकी मानसिकता कम्युनिस्टों समेत सत्ताधारी अभिजात वर्ग से बिल्कुल अलग है। नेपाल की दोनों कम्युनिस्ट पार्टियों के पास एक मज़बूत छात्र संगठन है, लेकिन हालिया विद्रोह में वे पूरी तरह से बेअसर हो गए क्योंकि जेनरेशन जेड ने 26 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आधिकारिक प्रतिबंध के खिलाफ एकजुट होकर विद्रोह कर दिया।

दरअसल, यह प्रतिबंध ही विद्रोह का मुख्य कारण था क्योंकि नेपाल में जेनरेशन जेडअपने सोशल मीडिया जीवन में पूरी तरह से उलझी हुई है और परिवार या सरकार के बड़ों द्वारा किसी भी तरह का हश्तक्षेप बर्दाश्त करने के मूड में नहीं है।

भ्रष्टाचार और बेरोज़गारी का मुद्दा बाद में तब सुर्खियों में आया जब आंदोलन में शामिल लोगों की हत्या ने इस विद्रोह को सरकार और समग्र राजनीतिक व्यवस्था के विरुद्ध एक आंदोलन में बदलकर एक बिल्कुल नया आयाम दे दिया।

इसीलिए दूसरे दिन 9 सितंबर को कई वरिष्ठ नागरिक इसमें शामिल हुए और जेनरेशन जेडआंदोलन ने एक राष्ट्रीय आंदोलन का रूप ले लिया। नेपाल की 2.96 करोड़ की आबादी में से 1.17 करोड़ 35 वर्ष से कम आयु के हैं और 15-24 आयु वर्ग के 57.6 लाख लोग हैं। यह समूह इंस्टाग्राम और फेसबुक के साथ पला-बढ़ा है और नेपाल में सितंबर के विद्रोह के मुख्य प्रेरक हैं।

यदि हम पिछले दस वर्षों में नेपाल की उथल-पुथल भरी राजनीति और अर्थव्यवस्था पर नज़र डालें, तो पाएंगे कि नेपाल ने अपने आर्थिक विकास के मामले में बहुत बुरा प्रदर्शन नहीं किया है। 2025 में इसकी विकास दर 6 प्रतिशत के श्तर पर रही है।

हालांकि पाँच में से एक युवा बेरोज़गार है, लेकिन बेरोज़गारी का यह मुद्दा कभी बड़ा नहीं हुआ। नेपाली युवा हमेशा बाहर नौकरी की तलाश में रहते हैं। औसतन हर साल 4 लाख नेपाली बाहर नौकरी के लिए जाते हैं। इसी तरह, नेपाल को बाहर से भारी

मात्रा में धन मिलता है और पर्यटन से होने वाली आय के साथ, यह देश के आर्थिक विकास में सहायक होता है।

विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, नेपाल के राजकोषीय संकेतक बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। यह सिंगापुर के समान वाहनों पर सबसे अधिक शुल्क देने वाला देश बना हुआ है, और दक्षिण एशिया में इसका कर-सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) अनुपात सबसे अधिक है।

सामाजिक संकेतकों में नाटकीय रूप से सुधार हुआ है, जीवन प्रत्याशा 1990 के 54.77 वर्ष से बढ़कर 2024 में लगभग 72 वर्ष हो गई है। प्राथमिक विद्यालयों में नामांकन लगभग 100 प्रतिशत है, और साक्षरता दर 2000 के 59 प्रतिशत से बढ़कर 2024 में 76 प्रतिशत हो गई है। नेपाल जीवन श्तर सर्वेक्षण 2022/23 के अनुसार, गरीबी 2011 के 25.16 प्रतिशत से घटकर 2023 में 20.27 प्रतिशत हो गई है।

उल्लेखनीय रूप से, 81 प्रतिशत नेपाली अपने घरों में रहते हैं, और पांच में से चार नेपाली परिवारों में कम से कम कोई न कोई विदेश में काम करता है या रहता है। 1991 और 2021 के बीच जनसंख्या में 1 करोड़ की वृद्धि हुई है-तीन दशकों में 50 प्रतिशत की वृद्धि। लेकिन नेपाल में स्थापित राजनीतिक दलों के पिछले दस वर्षों के शासन में देश के राजनीतिक प्रबंधन की तीखी आलोचना हुई है।

इस अवधि में, सत्ता तीन/चार राजनीतिक नेताओं तक सीमित रही और उनके परिवार और दोश्त फलते-फूलते रहे, जिससे चौतरफा भ्रष्टाचार का आभास होता रहा। स्कूली छात्रों के बीच, नेपोकिड्स की चर्चा आम हो गई।

स्कूली छात्रों द्वारा सितंबर में किया गया आंदोलन भी नेपोकिड्स, यानी शासक परिवारों के बच्चों के प्रति उनके आक्रोश की एक तरह से अभिव्यक्ति थी। तीन जाने-माने राजनीतिक नेता-के पी शर्मा ओली, पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' और शेर बहादुर देउबा-म्यूजिकल चेयर का खेल खेल रहे हैं। नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीएन) (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के ओली कम्युनिस्ट पार्टियों को विभाजित और एकजुट करते हुए सत्ता में बने रहने में सफल रहे हैं।

वे 72 वर्ष की आयु में तीसरी बार प्रधानमंत्री बने हैं। उन्होंने अपनी पार्टी के भीतर अपने दो प्रमुख विरोधियों को अलग-थलग करने और एक नई पार्टी बनाने के लिए प्रेरित करके उन्हें किनारे कर दिया। वह उन लोगों को निष्कासित करना जारी रखते हैं जो उनसे टकराते हैं।

दहल 'प्रचंड' एक हिंसक विद्रोह का नेतृत्व करते हुए प्रमुखता से उभरे। वह 2008 में पहली बार प्रधानमंत्री बने और संविधान सभा में सीपीएन (माओवादी केंद्र) के लिए सबसे ज्यादा सीटें जीतीं। उसके बाद वह दो बार प्रधानमंत्री बने।

70 वर्षीय दहल विभिन्न गठबंधनों का हिस्सा रहे हैं और उन पर वंशवादी तरीके से अपने परिवार की भागीदारी को बढ़ाने का आरोप है। वह एक बड़े जोड़-तोड़ करने वाले व्यक्ति हैं और शीर्ष पर बने रहने में कामयाब रहते हैं।

तीनों में सबसे बुजुर्ग देउबा 79 वर्ष के हैं। वह पांच बार प्रधानमंत्री बन चुके हैं। एक चतुर राजनेता होने के नाते, वह अपने परिवार के हितों की रक्षा करना जानते हैं। उन्होंने नेपाली कांग्रेस से अलग होकर अपना गुट बनाया और फिर 2016 से पार्टी का नेतृत्व करने के लिए फिर से एकजुट हो गए।

उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी रामचंद्र पौडेल को राष्ट्रपति पद के लिए प्रेरित किया और विभिन्न पारिवारिक गुटों को आपस में लड़ाकर कोइराला परिवार को दूर रखा। उन्हें कोई राजनीतिक संकोच नहीं है।

सर्वोच्च पद पाने के लिए वे किसी से भी गठबंधन कर सकते हैं। नेपाल में उथल-पुथल अभी भी जारी है। नेपाली सेना प्रमुख और देश के राष्ट्रपति छात्र आंदोलनकारियों के साथ तनाव कम करने और बातचीत करने की कोशिश कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों के पास कोई तैयार कार्यक्रम नहीं है। वे केवल भ्रष्टाचार और राजनीतिक दलों के खिलाफ लड़ाई की बात कर रहे हैं।

अगले कुछ दिन बताएंगे कि नेपाल में राजनीति का अगला रुख क्या होगा। बहुत कुछ सेना प्रमुख और राष्ट्रपति की बातचीत करने की क्षमता पर निर्भर करेगा। प्रमुख राजनेताओं ने छात्रों और जनता का विश्वास खो दिया है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com ई-मेल: todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

रामलीला और कृष्णलीला महोत्सव की तैयारियाँ तेज

एनसीआर टुडे. अलीगढ़ जिले में इस वर्ष भी भव्य धार्मिक आयोजन होने जा रहे हैं। रामलीला महोत्सव 16 सितम्बर से 4 अक्टूबर तक और कृष्णलीला महोत्सव 21 सितम्बर से 4 अक्टूबर तक आयोजित किए जाएंगे। इन अवसरों पर विभिन्न स्थलों पर रामलीला मंचन के साथ परंपरागत जुलूस और शोभायात्राएँ भी निकाली जाएंगी। आयोजन की तैयारियों को लेकर 15 सितम्बर को दोपहर 1 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक बुलाई गई है। इसमें नगर निगम, विद्युत, जल निगम, लोक निर्माण, पुलिस-प्रशासन, स्वास्थ्य, परिवहन और अग्निशमन विभाग सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी शामिल होंगे। प्रशासन ने कहा है कि साफ-सफाई, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, यातायात, कानून-व्यवस्था व स्वास्थ्य सेवाओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि सभी धार्मिक आयोजन शांति, सुरक्षा और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हो सकें।

पांचवें सेमेस्टर में प्रवेश नहीं हुआ तो होगा आंदोलन

एनसीआर टुडे. अलीगढ़ राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय (आरएमपीयू) के विधि के पांचवें सेमेस्टर में प्रवेश न होने पर एबीवीपी ने आंदोलन की धमकी दी है। इसके लिए 24 घंटे का समय दिया गया है। इस मामले में परिषद के विद्यार्थियों ने परीक्षा नियंत्रक धीरेंद्र कुमार से भेंट की। प्रदेश सह मंत्री खुशी सिंह ने कहा कि 500 से ज्यादा विद्यार्थियों का भविष्य विश्वविद्यालय के गलत निर्णय से अंधकार में धकेला जा रहा है। अगर 24 घंटे में विधि के विद्यार्थियों को न्याय नहीं मिलता है, तो आंदोलन करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। इस मौके पर विभाग संगठन मंत्री विश्वेंद्र, महानगर एसएफडी संयोजक दुष्यंत, प्रियांशु, नाजिया, पंकज आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एएमयू में एससी ओबीसी आरक्षण मिले: ठा. रघुराज सिंह

एनसीआर टुडे. अलीगढ़ प्रदेश सरकार में कर्मकार सन्निर्माण बोर्ड के अध्यक्ष वरिष्ठ भाजपा नेता रघुराज सिंह ने एएमयू के संबंध में नया बयान जारी किया है। उन्होंने एएमयू का नाम हरिगढ़ विश्वविद्यालय करने की मांग की है। उनका कहना है कि भारत की भूमि पर बने इस विश्वविद्यालय में हिंदुओं या भारतीयों को ही प्रवेश नहीं मिल पाता, यह दुर्भाग्य का विषय है। उन्होंने पत्रकारों को बताया कि पहले तो केंद्र व प्रदेश सरकार को अलीगढ़ का नाम हरिगढ़ करना चाहिए। एएमयू में 50 फीसदी मुस्लिमों, 25 फीसदी आंतरिक मुस्लिमों व 10 फीसदी विदेशी मुस्लिमों को प्रवेश में आरक्षण मिलता है, बाकी में भारतीय व हिंदू आते हैं, इसलिए जरूरी है कि इसका नाम हरिगढ़ विश्वविद्यालय किया जाए, ताकि स्वामी हरिदास की संस्कृति से इसे जोड़ा जा सके। उन्होंने कहा कि एएमयू भारत की जमीन पर है। यहां के संसाधनों से चलता है, फिर भी स्थानीय बच्चों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा। दर्जा प्राप्त मंत्री ठा. रघुराज सिंह ने एएमयू में एससी ओबीसी आरक्षण की मांग भी उठाई।

मंदिर परिसर में अश्लील नृत्य होने पर किया प्रदर्शन

एनसीआर टुडे. अलीगढ़ थाना लोधा क्षेत्र में खेरेश्वर मंदिर परिसर में महिलाओं के नृत्य करने से सनातन संस्कृति जागरण मंच के सदस्य नाराज हो गए और विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने नारेबाजी करते हुए मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन एसपी सिटी को सौंपा। मंच के संजय शर्मा ने कहा कि मंदिर लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है और ऐसे कृत्यों से उनकी आस्था को ठेस पहुंचेगी। खेरेश्वर मंदिर परिसर में महिलाओं के नृत्य करने पर सनातन संस्कृति जागरण मंच के लोगों का गुस्सा भड़क गया। शुक्रवार को वे विरोध में सड़क पर उतर आए। उन्होंने नारेबाजी करते हुए मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसपी सिटी को सौंपा। मंच से संजय शर्मा ने कहा कि खेरेश्वर मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल ही नहीं बल्कि लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। जिले की ही नहीं प्रदेश व देश की पहचान भी है। यहां देशभर के श्रद्धालु यहां आते हैं। यदि इस तरह के अश्लील नृत्य होंगे तो आस्था को ठेस पहुंचेगी। यहां छेड़छाड़ जैसे अश्लील कृत्यों को छूट मिल जाएगी। मंदिर के आसपास कुछ असामाजिक तत्व स्टाल व दुकान भी लगाए हैं, जो माहौल बिगाड़ने का प्रयास करते हैं। मंच के द्वारा कार्रवाई की मांग की गई। इस दौरान रामकुमार आर्या, इंद्रपाल, राकेश सहाय, देव सोनी व अन्य शामिल थे।

कन्या स्कूल में ड्रोन के मॉडल प्रस्तुत

एनसीआर टुडे. दादरी वैदिक कन्या मॉडर्न स्कूल में उदयन केयर कोड क्लब द्वारा इलेक्ट्रॉनिक्स, कंप्यूटर कोडिंग, रोबोटिक, ड्रोन के मॉडल प्रस्तुत किए गए। इसका उद्घाटन नगर पालिका परिषद चेयरमैन गीता पंडित ने किया। वैदिक कन्या मॉडर्न स्कूल में शुक्रवार को कोडिंग में स्टोरी, एनीमेशन, गेम्स के साथ क्राफ्ट के मॉडल, लीगो गेम, पेपर सर्किट, इलेक्ट्रोमैग्नेट, ब्रेड बोर्ड, आर्डुयनो, 3डी प्रिंटिंग तथा ड्रोन से संबंधित मॉडल शामिल किए गए थे।

प्रतियोगी छात्र ने लड़की बनने के लिए काट लिया अपना प्राइवेट पार्ट, गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती

प्रयागराज, एजेंसी। सिविल लाइंस इलाके में किराए पर कमरा लेकर यूपीएससी की तैयारी करने वाले एक प्रतियोगी छात्र ने लड़की बनने के लिए अपना प्राइवेट पार्ट काटकर अलग कर दिया। एक चिकित्सक से सलाह पर उसने खुद ही एनीस्थिसिया का इंजेक्शन लगाकर कमर के नीचे का भाग सुन्न कर दिया। इसके बाद सर्जिकल ब्लेड से प्राइवेट पार्ट काटकर अलग कर दिया। कई घंटे बाद भी रक्तस्राव न रुकने और तेज दर्द होने पर वह चीखने चिल्लाने लगा। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रयागराज में एक अजीबो गरीब मामला सामने आया है। लड़की बनने की चाहत में 17 वर्षीय एक प्रतियोगी छात्र ने अपना प्राइवेट पार्ट ही काट दिया। उसने घर पर ही प्राइवेट पार्ट को काटकर मरहम पट्टी कर दी। बाद में दर्द बढ़ने और हालत नाजुक होने पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना को लेकर कई तरह की चर्चाएं हैं। युवक का कहना है कि उसे बचपन से ही लगता था कि वह लड़की है, सिर्फ उसका शरीर ही लड़के का है। इसी कसमकश में उसने प्राइवेट पार्ट को काटकर शरीर से अलग कर दिया। प्रयागराज में सिविल सेवा की तैयारी करने आए 17 साल के छात्र ने लड़की बनने के लिए अपना प्राइवेट पार्ट काट लिया। 14 साल की उम्र में जब वो लड़कियों संग डांस कर रहा था, तब उसे अहसास हुआ कि वो लड़का जरूर है, लेकिन बाकी लड़कों की तरह नहीं है। यूगल-यूट्यूब पर सर्च किया कि फिजिकल रूप से कैसे लड़का बना जाए। डॉक्टर से प्राइवेट पार्ट काटने का प्रॉसेस समझाया। स्टूडेंट ने खुद को एनेस्थिसिया इंजेक्शन लगाया। फिर प्राइवेट पार्ट काटकर खुद ही मरहम-पट्टी कर ली। इंजेक्शन का असर कम होते ही दर्द हुआ, तब उसने चीख पुकार शुरू की। मकान मालिक ने एंबुलेंस बुलाकर उसे बेली अस्पताल में भर्ती कराया। यहां हालत गंभीर देखकर उसे एसआरएन अस्पताल रेफर कर दिया गया। एसआरएन में डॉ. संतोष सिंह की देखरेख में उसका उपचार चल रहा है।

डॉक्टर ने दी थी प्राइवेट पार्ट काटने की सलाह: प्रतियोगी छात्र के पूछने पर एक डॉक्टर ने उसे प्राइवेट पार्ट काटकर अलग करने की पूरी प्रक्रिया समझाई थी। इसके बाद छात्र मेडिकल स्टोर से एनेस्थीसिया का इंजेक्शन, सर्जिकल ब्लेड, रूई आदि सामान लेकर घर पहुंचा। डॉक्टर की सलाह के मुताबिक एनीस्थिसिया का इंजेक्शन लगाकर उसने कमर के नीचे का हिस्सा सुन्न कर दिया। सर्जिकल ब्लेड से प्राइवेट पार्ट काटकर अलग कर दिया। एनीस्थिसिया का असर जब कम होने लगा तो उसका दर्द तेजी से बढ़ने लगा। देखते ही देखते उसको असह्य पीड़ा होने लगी और वह तेज तेज से चिल्लाने गया। मकान मालिक से उसने कहा कि कमरे के भीतर मत आइए बस एंबुलेंस बुला दीजिए। मकान मालिक ने एंबुलेंस बुलाकर उसे तेज प्रताप सप्रू (बेली) हास्पिटल में भर्ती करा दिया।

पहले के जैसा नहीं होना चाहता है छात्र : प्राइवेट पार्ट काटने वाला प्रतियोगी छात्र पहले जैसा नहीं होना चाहता है। उसका कहना है कि बचपन से ही उसको लगता था कि वह लड़की है, लेकिन उसका शरीर लड़के का है। अमेठी जिले के रहने वाले छात्र ने कहा कि उसके पिता किसान हैं और मां गृहणी हैं। उसको कोई भाई बहन नहीं है वह अपनी मां-बाप की इकलौती संतान है। 14 साल की उम्र में उसे लगा कि वह लड़की है। सिर्फ लड़के जैसा शरीर ही है। अंदर से लड़कियों जैसी फिलिंग भी आती थी और चाल-चलन और रहन सहन में भी वह लड़की जैसा अनुभव करता है।

सिविल लाइंस में कमरा लेकर रहता है किराए पर : सीबीएसई से इंटर तक की पढ़ाई करने के बाद प्रतियोगी छात्र सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी करने के लिए प्रयागराज आ गया था। यहां पर वह सिविल लाइंस इलाके में किराए पर कमरा लेकर रहने लगा। यहीं पर जेंडर चेंज करने का विचार मन में आया और डॉ. जेनिथ ने उसे पूरी प्रक्रिया समझाई। एसआरएन के चिकित्सक डॉ. संतोष सिंह का कहना है कि प्रतियोगी छात्र अब लड़कियों की तरह ही जीवन बिताना चाहता है। वह पहले की तरह नहीं होना चाहता है।

डॉक्टर से बिना पूछे खाई दर्द की दवा...

सिर पटकने लगा युवक, जिस तरह हुई मौत, देखकर कांप गए घरवाले

कासगंज, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के कासगंज जिले में दर्द की दवा खाने के बाद युवक की हालत बिगड़ गई। वो सिर को जमीन पर पटकने लगा। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। कासगंज के सोरों कोतवाली क्षेत्र के गांव मल्लाह नगर में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बताया जा रहा है कि युवक ने दर्द की दवा खाई, जिसके बाद उसकी हालत बिगड़ गई। वह जमीन पर बार-बार सिर पटकने लगा। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

छत से गिरकर घायल हो गया था युवक : सोरों कोतवाली क्षेत्र के मल्लाह नगर गांव निवासी पहलवान (35) पुत्र राजेंद्र के हाथ में 15 दिन पहले छत से गिरकर चोट लग गई थी। पहलवान के बेटे शानू ने बताया कि उन्होंने बृहस्पतिवार की दोपहर करीब 3 बजे दर्द होने पर दवाई खाई। इसके बाद अचानक उनकी हालत बिगड़ने लगी। वह बार-बार अपना सिर पटकने लगे। हालत ज्यादा खराब होने पर परिजन उन्हें रात में जिला अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मौत से परिजनों में मचा कोहराम : उनकी मौत की जानकारी मिलने पर परिवार में चीख पुकार मच गई। परिजन शव को पोस्टमार्टम कराए बगैर जिला अस्पताल से घर ले गए। परिजनों ने बताया कि मृतक पहलवान के तीन बच्चे हैं। इनमें शानू (14), सनी (13) और बेटी (6) की है। पहलवान की मौत के बाद पत्नी अनीता और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक गांव में खेती करके परिवार का पालन पोषण करता था।

जमीन के विवाद में जमकर पथराव, मुंडिया मलूकपुर में पशुओं के अवशेष मिलने से हड़कंप

मुरादाबाद, एजेंसी। पाकबड़ा के धनपुरा गांव में जमीन के विवाद को लेकर पथराव हो गया। इसके बाद दोनों पक्षों में मारपीट हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। उधर, मुंडिया मलूकपुर में पशुओं के अवशेष मिलने से हड़कंप मच गया। पाकबड़ा थाना क्षेत्र के धनपुरा गांव में बृहस्पतिवार दोपहर जमीन के विवाद को लेकर चाचा-भतीजे के परिवार में जमकर पथराव हुआ। जिसमें दोनों पक्षों के पांच लोग घायल हो गए। दोनों पक्षों ने एक दूसरे के खिलाफ तहरीर दी है। पाकबड़ा के धनपुरा गांव में महबूब और उसके भतीजे सुहेल के परिवार रहते हैं। बताया जा रहा है कि दोनों परिवारों में जमीन के लिए विवाद चल रहा है। बृहस्पतिवार को दोनों के बीच कहासुनी से शुरू हुआ झगड़ा मारपीट में बदल गया। देखते ही देखते दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और जमकर लाठी-डंडे चले। घरों की छतों से पथराव किया गया। इस दौरान गांव में भगदड़ मच गई। पथराव में दोनों परिवारों के पांच लोग घायल हो गए। घायलों में एक पक्ष के महबूब अली और मोहम्मद हसन और दूसरे पक्ष से सुहेल और शाहे आलम हैं। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर हमले का आरोप लगाते हुए तहरीर पुलिस को दी है। थाना प्रभारी योगेश कुमार का कहना है मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

कांशीराम नगर के कंपोजिट स्कूल के ताले तोड़कर चोरी : मझोला थानाक्षेत्र के कांशीराम नगर कंपोजिट विद्यालय के ताले तोड़कर चोर सामान चोरी कर ले गए। बुधवार सुबह विद्यालय खुलने पर चोरी की जानकारी हुई। विद्यालय की प्रधानाचार्य रश्मि बाला ने दर्ज कराए केस में बताया कि मंगलवार देररात चोर विद्यालय में घुस गए और प्रधानाचार्य कक्ष से चार बैटरियां, इनवर्टर, सीसीटीवी कैमरे, स्पीकर, एलसीडी चोरी कर ले गए। सामान चोरी होने से स्मार्ट क्लास का संचालन रुक गया है। इससे बच्चों की पढ़ाई बाधित हो रही है। सीओ सिविल लाइंस कुलदीप गुप्ता ने बताया कि चोरों की तलाश की जा रही है।

मुरादाबाद कमल हत्याकांड: मुठभेड़ में घायल हिस्ट्रीशीटर सनी की हालत बिगड़ी, अब भाजपा नेता समेत अन्य की तलाश

मुरादाबाद, एजेंसी। कमल चौहान हत्याकांड के मुख्य आरोपी हिस्ट्रीशीटर सनी दिवाकर की पुलिस मुठभेड़ में दोनों पैरों में गोली लगने के बाद हालत बिगड़ गई है। उसे गंभीर हालत में मेरठ मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। कमल चौहान की हत्या के मामले में सनी समेत छह आरोपियों पर केस दर्ज है। पुलिस भाजपा नेता समेत अन्य की तलाश कर रही है। मुरादाबाद पुलिस की मुठभेड़ में गोली लगने से घायल हुए हिस्ट्रीशीटर सनी दिवाकर की हालत बिगड़ गई। उसके दोनों पैरों में गोली लगी है। बृहस्पतिवार को उसे जिला अस्पताल से रेफर कर दिया गया है। कमल चौहान हत्याकांड के मुख्य आरोपी सनी को मेरठ मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

रविवार की शाम दस सराय पुलिस चौकी के पास हिंदू समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष एवं हिस्ट्रीशीटर कमल चौहान की हत्या की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

घटना के समय वह अपने दोस्त विशाल शर्मा के साथ स्कूटी से भदौड़ा दुर्गेश नगर स्थित अपने घर लौट रहा था। इस मामले में कमल चौहान के भाई संजय ने मोहल्ले में रहने वाले हिस्ट्रीशीटर सनी दिवाकर, मोनू पाल, विक्की दिवाकर, निहाल वाल्मीकि, सुभाष यादव, नकुल यादव के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कराया था। मंगलवार की दोपहर पुलिस ने कटघर क्षेत्र के गोट के जंगल में सनी के दोनों पैरों में गोली मारकर उसे दबोच लिया था। एक पैर के घुटने में लगी गोली से उसकी हालत बिगड़ गई थी। जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने उसे रेफर कर दिया। बृहस्पतिवार को पुलिस उसे मेरठ मेडिकल कॉलेज ले गई और वहां भर्ती करा दिया गया है।

भाजपा मंडल उपाध्यक्ष समेत सात आरोपियों की तलाश कर रही पुलिस : कमल चौहान हत्याकांड में भाजपा मंडल अध्यक्ष मोनू पाल समेत सात आरोपियों की पुलिस तलाश में जुटी है। पुलिस की एक टीम ने उत्तराखंड के रामनगर में दबिश दी लेकिन हत्यारोपी पुलिस के हाथ नहीं आए हैं। आरोपी मोनू पाल पार्षद का चुनाव भी लड़ चुका है।

मॉरीशस में 17.5 मेगावॉट का फ्लोटिंग सोलर प्रोजेक्ट लगाएगा भारत

वाराणसी, एजेंसी। मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी, शिक्षा, ऊर्जा और अंतरिक्ष जैसे कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए समझौते किए हैं। इनमें समुद्र विज्ञान, प्रशासनिक सुधार, हाइड्रोग्राफी और अंतरिक्ष अनुसंधान सबसे अहम हैं। इसके तहत भारत समुद्री सुरक्षा को और मजबूत कर पाएगा। जबकि अंतरिक्ष अनुसंधान से मॉरीशस को तकनीक मजबूत करने में मदद मिलेगी।

इसके अलावा प्रशासनिक सुधार के तहत अफसर और जनता के बीच बेहतर तालमेल होगा। इस साल भारत मॉरीशस को दो हजार करोड़ रुपये की बजटीय सहायता करेगा। इसके अलावा रणनीति के लिहाज से महत्वपूर्ण मॉरीशस में बंदरगाह का पुनर्निर्माण और चागोस समुद्री संरक्षित क्षेत्र के विकास और उसकी निगरानी में सहायता करेगा।

शैक्षिक सहयोग = भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास और यूनिवर्सिटी ऑफ मॉरीशस के बीच समझौता हुआ। इसके अलावा, भारतीय पादप प्रबंधन संस्थान, बंगलूरू और यूनिवर्सिटी ऑफ मॉरीशस के बीच भी साझेदारी की घोषणा की गई। ये जैव सुरक्षा प्रबंधन, पौधरोपण, प्रबंधन शिक्षा, वन और प्रकृति पर काम करेंगे।

फ्लोटिंग सोलर परियोजना = टैमरिंड फॉल्स में 17.5 मेगावॉट का फ्लोटिंग सोलर पीवी प्रोजेक्ट स्थापित करने का प्रस्ताव रखा गया है।

गौरव हत्याकांड: बरेली में पुलिस ने 24 घंटे में तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार

बरेली, एजेंसी। बरेली के खुर्रम गौटिया में गौरव गोस्वामी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस वारदात में शामिल तीन आरोपियों को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। एक आरोपी के पैर में गोली लगी है। बरेली में गौरव गोस्वामी हत्याकांड के तीन आरोपियों को बारादरी थाना पुलिस व एसओजी टीम ने बृहस्पतिवार रात करीब साढ़े 11 बजे 99 बीघा ग्राउंड के पास घेर लिया। पुलिस से बचकर भागे आरोपियों ने फायरिंग की तो जवाब में पुलिस ने भी गोली चलाई। एक आरोपी खुर्रम गौटिया निवासी शेखर को बांये पैर में घुटने से नीचे गोली लगी।

सीओ तृतीय पंकज श्रीवास्तव व प्रभारी थानाध्यक्ष अरविंद सिंह ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया। उसके दो साथी खुर्रम गौटिया निवासी टेंपो चालक अनस उर्फ मुलायम सिंह व नवादा शेखान निवासी चंदन को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है।

गौरव के चेहरे पर मारी थी गोली : शहर के खुर्रम गौटिया में बुधवार रात दो गुटों में झगड़े के दौरान बिशारतगंज निवासी गौरव गोस्वामी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उसके चेहरे पर गोली लगी थी, जिससे आंख बाहर निकल आई थी। युवक के पिता ने बारादरी थाने में आठ नामजद सहित अज्ञात लोगों पर हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

यह है पूरा घटनाक्रम : विशारतगंज के वार्ड सात निवासी छोटेलाल गोस्वामी ने बारादरी थाने के इंस्पेक्टर क्राइम अरविंद सिंह को बताया कि उनका पुत्र गौरव गोस्वामी (25) और भतीजा आकाश गोस्वामी बुधवार दोपहर बाद उनके दूसरे भतीजे मनोज गोस्वामी से मिलने शाही थाना क्षेत्र के गांव कुल्छा गए थे। वहां से गौरव, आकाश व मनोज शाम को बरेली आए। मनोज अपने दोस्त लकी लभेड़ा, आकाश राठौर, डंपी व अनिल से मिला। सभी ने डमरू चौराहे के पास स्थित होटल में खाना खाया। रात एक बजे सभी बाइक से सेटेलाइट चौराहे की तरफ निकले।

छोटेलाल का आरोप है कि सेटेलाइट पुल के पास बाइक मोड़ते वक्त अचानक टेंपो सामने आने से हादसा होते-होते बचा। तब टेंपो चालक अनस उर्फ मुलायम से उसकी मामूली कहासुनी हो गई। इसके बाद टेंपो चालक गाली देकर आगे बढ़ गया। गौरव और उसके दोस्तों ने उसका पीछा किया। ईसाइयों की पुलिया मोड़ से खुर्रम गौटिया की ओर मुड़कर अनस ने अपने घर के पास टेंपो रोक दिया। अपने अन्य साथियों को भी बुला लिया। अनस व उसके साथी नैतिक सोनकर, बिहारी सोनकर, राजा, अभय, शेखर, चंदन और समीर समेत कुछ अज्ञात लोगों ने मिलकर गौरव, आकाश और मनोज की पिटाई शुरू कर दी।

बिहारी नाम के आरोपी ने मारी गोली : इस दौरान हमलावरों ने कहा कि बिहारी गोली मार, ये लोग दादागिरी कर रहे हैं। इतना सुनते ही बिहारी ने तमंचा निकाल कर फायरिंग कर दी। एक गोली गौरव के चेहरे पर आंख के पास लगी। गौरव चीखकर सड़क पर ही गिर गया। आकाश, मनोज और उनके साथी गौरव को निजी अस्पताल ले गए। वहां चिकित्सक ने गौरव को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर रात में ही एसपी सिटी मानुष पारीक, सीओ तृतीय पंकज श्रीवास्तव ने मौके पर पहुंचकर छानबीन की।

एसपी सिटी मानुष पारीक ने बताया कि मोड़ पर बाइक के आगे टेंपो आने से शुरू हुए विवाद के बाद बिशारतगंज निवासी युवक की हत्या कर दी गई। तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। बाकी आरोपियों की तलाश के लिए एसओजी समेत तीन टीमें लगाई गई हैं। जल्द ही सभी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

विकास कार्यों की रैंकिंग में मथुरा को लगा बड़ा झटका, प्रदेश में 42वां स्थान; फिरोजाबाद ने लगाई लंबी छलांग

मथुरा, एजेंसी। विकास कार्यों की रैंकिंग में मथुरा को साथ ही आगरा और मैनपुरी को बड़ा झटका लगा है। वहीं फिरोजाबाद इस दौड़ में आगे निकल गया है। सीएम डैशबोर्ड के तहत जारी होने वाले विकास कार्यों की रैंकिंग में मथुरा को झटका लगा है। एक माह में मथुरा 20वें स्थान से 42वें स्थान पर पहुंच गया है। वहीं दूसरी तरफ आगरा मंडल में फिरोजाबाद ने इस बार छलांग लगाते हुए प्रदेश में 7वां स्थान प्राप्त किया है। आगरा और मैनपुरी की रैंकिंग भी गिरी है। प्रत्येक माह विकास कार्यों का मूल्यांकन कर सीएम डैशबोर्ड के तहत रैंकिंग जारी की जाती है। अगस्त में कराए गए विकास कार्यों के आधार पर बुधवार को शासन ने रैंकिंग जारी कर दी है। इसमें मथुरा बीते माह जारी रैंकिंग की तुलना में 22 पायदान नीचे आ गया है। इससे कहीं न कहीं कान्हा की नगरी को रैंकिंग में झटका लगा है। वहीं आगरा मंडल की अगर बात करें तो यहां भी मथुरा को आखिरी स्थान से संतोष करना पड़ा। दरअसल मंडल में फिरोजाबाद 7वीं रैंक के साथ प्रथम, मैनपुरी 13वीं रैंक के साथ द्वितीय, आगरा 27वीं रैंक के साथ तीसरे और मथुरा सबसे अंतिम स्थान पर रहा। वहीं, अगर रैंकिंग में सुधार की बात करें तो फिरोजाबाद ने लंबी छलांग लगाई है। बीते माह फिरोजाबाद की रैंकिंग 37वीं थी, जो अब टॉप-10 में शामिल हो गया है। इसके अलावा मैनपुरी की रैंकिंग बीते माह 12वीं और आगरा की रैंकिंग 7वीं थी।

भारत को 2047 तक शीर्ष पांच खेल देशों में लाने के लिए योजना तैयार: मंत्री मांडविया

नई दिल्ली, एजेंसी। मांडविया ने कहा, भारत की आजादी के सौ साल पूरे होने पर देश को विकसित राष्ट्र बनाने और शीर्ष पांच खेल देशों में शामिल करने का लक्ष्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने दिया है। इसके लिए योजना तैयार कर ली गई है। देश में खेल संस्कृति के विकास की प्रक्रिया को सिलसिलेवार और सतत बनाने पर जोर देते हुए खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को कहा कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र के साथ शीर्ष पांच खेल महाशक्तियों में शामिल करने के लिए 10 वर्षीय और 25 वर्षीय योजना बनाई गई है जिस पर जल्दी ही अमल होगा। मांडविया ने कहा, भारत की आजादी के सौ साल पूरे होने पर देश को विकसित राष्ट्र बनाने और शीर्ष पांच खेल देशों में शामिल करने का लक्ष्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने दिया है। इसके लिए योजना तैयार कर ली गई है जो जल्दी ही देश के सामने आएगी। इसे लागू करने के लिए नीतिगत बदलाव करने होंगे और हम इस पर जल्दी ही अमल करेंगे। स्पोटर्सस्टार प्लेकॉम~ बिजनेस आफ स्पोटर्स समिट 2025' में खेलमंत्री ने कहा, हमें ऐसी कार्य संस्कृति तैयार करनी होगी जिसमें प्रतिभा को तलाशने और तराशने का काम व्यवस्थित तरीके से हो ।

इसके साथ ही दुनिया भर के देश भारत में लीग खेलने आएं। हमें खेल कोटे से नौकरी कर रहे अपने पूर्व खिलाड़ियों के कौशल का भी पूरा इस्तेमाल करना होगा। खेलमंत्री ने कहा कि देश में खेलों का इकोसिस्टम तैयार करने और खेलों को जीवनशैली का हिस्सा बनाने के लिए क्रमबद्ध तरीके से काम किया जा रहा है। उन्होंने

कहा, इसके लिए मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद पहले चरण में फिट इंडिया और खेलो इंडिया जैसी मुहिम शुरू की गई। खिलाड़ियों को तमाम सुविधाएं, अनुभव और आधुनिक कोचिंग देने के लिए टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) शुरू हुई। इसके बाद विजन दस्तावेज की जरूरत पड़ी तो हम खेल नीति लेकर आए।

उन्होंने कहा कि खेलों में अच्छे प्रशासन के लिए सरकार खिलाड़ियों को केंद्र में रखकर खेल प्रशासन विधेयक लेकर आई जिससे खेल महासंघ अदालती विवादों में मसरूफ रहने की बजाय खिलाड़ियों पर फोकस रख सकें। उन्होंने कहा, पहले खेल महासंघों के 350 से ज्यादा विवाद अदालतों में थे। इस बिल में उनके निपटान की त्वरित व्यवस्था का प्रावधान भी है।

खिलाड़ियों के हितों की रक्षा

खिलाड़ियों के हितों की रक्षा और महिलाओं का खेल महासंघों में प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रावधान हैं। मांडविया ने कहा कि भारत में दूर दराज के इलाकों की प्रतिभाओं को मौके देने के लिए मजबूत इकोसिस्टम तैयार करना जरूरी है । उन्होंने कहा, हमने दुनिया भर में कैसे काम हो रहा है, वह देखा लेकिन अपना मॉडल बनाया। भारत की भौगोलिक विविधता का फायदा उठाते हुए खेलों का विकास सुनिश्चित करना है। आने वाले समय में हम खेल सेक्टर में आने वाले बदलावों को महसूस कर सकते हैं।

भारत-पाकिस्तान मैच को सियासत से दूर रखें, वे हमें नहीं हरा सकते: योगराज सिंह

चंडीगढ़, एजेंसी। एशिया कप 2025 में भारतीय टीम 14 सितंबर को पाकिस्तान से भिड़ेगी। पूर्व क्रिकेटर योगराज सिंह ने कहा है कि भारत-पाकिस्तान मैच को सियासत से दूर रखना चाहिए। पाकिस्तान टीम हमें नहीं हरा सकती है। बात करते हुए योगराज सिंह ने कहा, भारत-पाकिस्तान मैच को मैच की तरह ही लिया जाना चाहिए। इसे लेकर कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए। खिलाड़ियों को सियासत में नहीं खींचना चाहिए। इससे ज्यादा मैच पर चर्चा करने की जरूरत नहीं है। इंग्लैंड में युवराज सिंह की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025 में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से इनकार कर दिया था। इसका क्या फायदा हुआ। हम खेलते तो जीत कर आते। उस समय नहीं खेले तो फिर अब क्यों खेल रहे हैं। जब भी मौका मिले भारत और पाकिस्तान के बीच मैच होना चाहिए। आज की तारीख में पाकिस्तान टीम ऐसी नहीं है कि भारत को हरा सके। उन्होंने कहा, भारतीय टीम बहुत अच्छी और मजबूत है। मुझे नहीं लगता है कि इस वक्त कोई भी टीम हमें हरा सकती है। हमारी टीम में कई ऐसे खिलाड़ी हैं, जो आईपीएल में अपनी टीम का नेतृत्व कर रहे हैं। हमलोग देश के गौरव के लिए खेल रहे हैं। भारत की मौजूदा टीम में जो खिलाडी हैं, या आने वाले समय के जो खिलाड़ी हैं, वो बहुत बड़े खिलाड़ी होंगे। इसमें आईपीएल का बहुत बड़ा योगदान है। जबतक आईपीएल है, भारतीय क्रिकेट को कोई पछाड़ नहीं सकता। अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे। इस हमले में पाकिस्तान समर्थित आतंकियों का हाथ था। भारत ने इसके जवाब में ऑपरेशन सिंदुर चलाकर पीओके स्थित आतंकी ठिकाने नष्ट किए थे। सैन्य संघर्ष के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान के साथ किसी भी तरह के संबंध न रखने की बात कही थी। माना जा रहा था कि एशिया कप में भारत-पाकिस्तान मैच स्थगित हो सकता है। लेकिन, टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले भारत सरकार ने एशिया कप को वैश्विक टूर्नामेंट बताते हुए भारतीय टीम को पाकिस्तान के साथ खेलने की अनुमति दी थी।

अफरीदी ने भारत-पाकिस्तान मैच से पहले उगला जहर

बेचारे जबसे पैदा हुए हैं साबित कर रहे हैं हम हिंदुस्तानी हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप 2025 में 14 सितंबर को भारत-पाकिस्तान के बीच हाई-वोल्टेज मैच होना है। भारत में पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर इस मुकाबले को बहिष्कार करने की मांग हो रही है। हालांकि, भारत सरकार से भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को इस मुकाबले को खेलने के लिए हरी झंडी मिल गई है। इस बीच पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने भारतीय खिलाड़ियों के खिलाफ जहर उगला है। अफरीदी का बयान हैरानी भरा नहीं है। वह पहले भी भारत और भारतीय खिलाड़ियों के खिलाफ जहर उगलते रहे हैं।

पाकिस्तानी मीडिया समा टीवी का एक वीडियो वायरल है, जिसमें शाहिद अफरीदी अनर्गल बात करते हुए यह कहते हैं कि भारत में खिलाड़ियों को घर जलाने की धमकी मिलती है। कुछ खिलाड़ी जन्म से खुद को हिंदुस्तानी साबित करने में लगे हैं। अफरीदी का वीडियो नीचे देख सकते हैं।

शाहिद अफरीदी ने क्या कहा?

अफरीदी ने कहा, वहां पे बहुत ज्यादा है। घरों तक पहुंच जाते हैं। घर जलाने की धमकियां देते हैं उन खिलाड़ियों को। कुछ ऐसे हैं जो वहां साबित कर रहे हैं कि हम हिंदुस्तानी हैं। बेचारे जबसे पैदा हुए हैं साबित कर रहे हैं हम हिंदुस्तानी हैं। और एशिया कप में जाके कमेंट्री भी कर रहे हैं।

हिंसक प्रदर्शनों के कारण बदला वेन्यू

नेपाल से छीन लिया गया टी20 वर्ल्ड कप होस्ट करने का मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। पहली बार आयोजित होने जा रहे महिला ब्लाइंड टी20 वर्ल्ड कप 2025 से पहले बड़ा बदलाव कर दिया गया है. नेपाल की राजधानी काठमांडू, जिसे टूर्नामेंट का न्यूट्रल वेन्यू चुना गया था, अब हटा दिया गया है. इसकी वजह बनी नेपाल में चल रही राजनीतिक अस्थिरता और हालिया हिंसक प्रदर्शन. यह ऐतिहासिक टूर्नामेंट 11 से 25 नवंबर तक भारत में खेला जाएगा, जिसमें सात देशों की टीमें हिस्सा लेंगी - ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत, नेपाल, पाकिस्तान, श्रीलंका और अमेरिका. इस टूर्नामेंट में कुल 21 लीग मैच, दो सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबलें खेले जाएंगे.

अब हालात बिगड़ने के कारण भारतीय दृष्टिबाधित क्रिकेट संघ ने घोषणा की कि नेपाल में चल रहे हिंसक प्रदर्शन के चलते वहां मैच आयोजित करना सुरक्षित नहीं है. ऐसे में पाकिस्तान के मुकाबलों के लिए नया दूसरा न्यूट्रल वेन्यू जल्द तय किया जाएगा.

क्यों हटाया गया नेपाल का वेन्यू?

पहले बनाई गई योजना के तहत यह टूर्नामेंट नई दिल्ली और बेंगलुरु में आयोजित होना था, लेकिन भारत और पाकिस्तान के बीच राजनीतिक तनाव को देखते हुए, पाकिस्तान के मैचों के लिए काठमांडू को न्यूट्रल वेन्यू बनाया गया था ताकि पाकिस्तान भी इस टूर्नामेंट में भाग ले सके.

भारतीय टीम की तैयारियां

भारत इस टूर्नामेंट में मेजबान होने के साथ-साथ मजबूत दावेदार भी है. पिछले साल 2023 में हुए आईबीएसस वर्ल्ड गेम्स में भारतीय महिला ब्लाइंड टीम ने गोल्ड मेडल जीता था.

उस समय ब्लाइंड क्रिकेट का डेब्यू भी हुआ था. टूर्नामेंट के फाइनल में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को शिकस्त दी थी. भारतीय टीम में देश भर से 56 खिलाड़ियों की खोज के बाद 16 सदस्यीय स्क्वाड चुना गया है. कर्नाटक की दीपिका टीसी को कप्तान और महाराष्ट्र की गंगा एस कदम को उपकप्तान बनाया गया है.

आईएसएसएफ वर्ल्ड कप: 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में मेहुली-मानिनी का खराब प्रदर्शन, पदकों का खाता अब तक नहीं खुला

निंगबो (चीन), एजेंसी। भारत अब तक पदक तालिका में अपना खाता नहीं खोल पाया है। चीन दो स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य पदक के साथ शीर्ष पर है। विश्व चैम्पियनशिप की कांस्य पदक विजेता भारतीय निशानेबाज मेहुली घोष और मानिनी कौशी ने आईएसएसएफ विश्व कप में शुक्रवार को यहां महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में निराशाजनक प्रदर्शन किया। भारत अब तक पदक तालिका में अपना खाता नहीं खोल पाया

है। चीन दो स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य पदक के साथ शीर्ष पर है। नॉर्वे दो स्वर्ण पदक के साथ दूसरे जबकि दक्षिण कोरिया एक स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक के साथ तीसरे स्थान पर है। मेहुली ने क्वालीफिकेशन राउंड में 583 अंक बनाकर 23वां स्थान हासिल किया, जबकि मानिनी 66 निशानेबाजों के बीच 580 अंक के साथ 45वें स्थान पर रहीं। इस स्पर्धा में भाग ले रही तीसरी भारतीय निशानेबाज सुरभि भारद्वाज 578 अंक के साथ 52वें स्थान पर रहीं।

त्राब्जोंसपोर में शामिल हुए मैनचेस्टर यूनाइटेड के गोलकीपर आंद्रे ओनाना

मैनचेस्टर, एजेंसी। मैनचेस्टर यूनाइटेड के गोलकीपर आंद्रे ओनाना 2025/26 सीजन के लिए तुर्की के फुटबॉल क्लब त्राब्जोंसपोर में लोन पर शामिल हो गए हैं, जो अंतरराष्ट्रीय क्लीयरेंस और रजिस्ट्रेशन पर निर्भर है। यह डील शुक्रवार को तुर्की की ट्रांसफर विंडो बंद होने से पहले पूरी कर ली गई। त्राब्जोंसपोर ने प्रेस रिलीज में कहा, मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ समझौता हो गया, जिसके तहत पेशेवर फुटबॉलर आंद्रे ओनाना का 2025-26 सीजन के लिए फ्री टेंपरेरी ट्रांसफर हमारे क्लब में किया गया है। कैमरून के 29 वर्षीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी ने जुलाई 2023 में इटली के दिग्गज क्लब इंटर से जुड़ने के बाद रेड्स की ओर से 102 मैच खेले हैं। ओनाना ने मैनचेस्टर में अपने पहले सीजन के दौरान सिर्फ एक मैच को छोड़कर शेष सभी मुकाबलों में हिस्सा लिया। उन्होंने वेम्बली में मैनचेस्टर सिटी के खिलाफ फाइनल में शानदार टीम प्रदर्शन के दम पर एफए कप जीतकर सीजन का अंत किया।

2024/25 सीजन में भी वह पहली पसंद के गोलकीपर बने रहे। ओनाना प्रीमियर लीग के सेव ऑफ द मंथ अवॉर्ड को तीन बार जीतने वाले पहले गोलकीपर बने।

इंडिया-पाकिस्तान एशिया कप 2025:

पाकिस्तान के 5 स्पिनर्स भारत के लिए खतरा कोच माइक हेसन की वॉर्निंग..कुलदीप की स्पिन पर कही ये बात

क्रिकेट में भारत-पाकिस्तान का मुकाबला हमेशा से सबसे बड़ी टक्कर माना जाता है. दोनों देशों के बीच 14 स?तंबर को एशिया कप में यह बहुप्रतीक्षित मुकाबला होना है. ऐसे में दोनों देशों के स्पिनर्स में कौन बेहतर है, भारत से टक्कर लेने को पाकिस्तानी टीम कितनी तैयार है? इस पर पाकिस्तानी टीम के हेड कोच माइक हेसन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान माइंड गेम खेला.

दरअसल, हेसन ओमान संग शुक्रवार (12 सितंबर) को होने वाले मुकाबले से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया को संबोधित कर रहे थे. वहीं उन्होंने इस दौरान भारत संग मुकाबले पर भी बात की. हेसन ने कहा- हम जानते हैं कि भारत ने जिस तरह का प्रदर्शन किया है, उसके चलते उन्हें पूरा आत्मविश्वास है और यह स्वाभाविक भी है. हम टीम के रूप में हर दिन खुद को बेहतर बनाने पर ध्यान दे रहे हैं. हम आगे को लेकर चिंता नहीं कर रहे हैं, लेकिन चुनौती की गंभीरता को अच्छी तरह समझते हैं. हम इस मुकाबले का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं.

कौन हैं पाकिस्तानी टीम में 5 स्पिनर्स?

हेसन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा- हमारी ताकत यह है कि हमारे पास पांच स्पिनर हैं. मोहम्मद नवाज इस समय दुनिया के बेहतरीन स्पिन गेंदबाज हैं. इसके अलावा हमारे पास अबरार अहमद और सुफियान मुकीम भी हैं, जो शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं. सैम अयूब अब दुनिया के टॉप टेन ऑलराउंडर्स में शामिल हैं, जो उनके गेंदबाजी प्रदर्शन में सुधार का नतीजा है. सलमान अली आगा ने ज्यादा गेंदबाजी नहीं की है, लेकिन वह पाकिस्तान के टेस्ट टीम के प्रमुख स्पिनर हैं.

इस दौरान पाकिस्तानी कोच हेसन ने अपनी गेंदबाजी लाइनअप पर पूरा भरोसा जताया. उन्होंने स्पिन ऑलराउंडर मोहम्मद नवाज की तारीफ की. हेसन ने बताया कि नवाज का पाकिस्तान टीम में वापसी करना बेहद महत्वपूर्ण रहा है. पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप स्क्वॉड में जगह नहीं बना पाने के बावजूद, नवाज ने शानदार प्रदर्शन किया है.

उन्होंने हाल ही में यूएई में हुए ट्राई-सीरीज फाइनल में अफगानिस्तान के खिलाफ हैट्रिक ली और पांच विकेट भी चटकाए. हेसन ने कहा कि नवाज इस समय शानदार फॉर्म में हैं और उनकी भूमिका टीम के लिए अहम साबित होगी.

कुलदीप यादव पर पाक कोच ने क्या कहा?

पाकिस्तान के हेड कोच माइक हेसन ने यह भी कहा कि दुबई की पिच पर उतनी स्पिन नहीं मिलने की संभावना है, जितना शारजाह में था. हेसन ने कहा-देखिए, मुझे नहीं लगता कि आप उम्मीद कर सकते हैं कि दुबई की पिच शारजाह की तरह बहुत स्पिन करेगी. जब कुलदीप यादव न यूएई के खिलाफ गेंदबाजी की थी, तब भी बहुत अधिक स्पिन नहीं मिलती थी. लेकिन जब आपके पास ऐसे रिस्ट स्पिनर हैं, तो सतह की ज्यादा अहमियत नहीं रहती.

पंजाब में फुटबॉल क्रांति: पंजाब फुटबॉल क्लब ने खोले 12 नए केंद्र, रचा सबसे बड़ा ग्रासरूट्स नेटवर्क

मोहाली, एजेंसी। पंजाब, जो कभी हॉकी और कबड्डी के लिए जाना जाता था, अब फुटबॉल की नई धड़कन बन गया है। राउंडग्लास स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के हिस्सा पंजाब फुटबॉल क्लब ने ऐतिहासिक कदम उठाते हुए राज्य में 12 नए डेवलपमेंट सेंटर्स शुरू किए हैं। इस विस्तार के साथ, क्लब के पास अब कुल 26 केंद्र हो गए हैं, जिससे यह भारत का सबसे बड़ा फुटबॉल ग्रासरूट्स नेटवर्क बन गया है। यह पहल टैलेंट हर जगह है, अवसर नहीं की विचारधारा पर आधारित है और इसका उद्देश्य पंजाब में फुटबॉल को एक संस्कृति बनाना है। इन नए केंद्रों को जालंधर, होशियारपुर, लुधियाना, मुक्तसर साहिब, पठानकोट, बरनाला और रूपनगर जैसे जिलों में शुरू किया गया है। हर सेंटर में अंडर-8 से लेकर अंडर-19 आयु वर्ग के सैकड़ों युवा खिलाड़ियों को प्रोफेशनल कोचिंग, न्यूट्रिशन गाइडेंस और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का स्पष्ट रास्ता मिलेगा।

बाबू अमर सिंह स्पोर्ट्स एंड यूथ क्लब, साहौली (लुधियाना) और बजवाड़ा (होशियारपुर) जैसे केंद्रों में लड़कियों की भागीदारी पर विशेष जोर दिया जा रहा है, जो खेल में समान अवसर देने की पंजाब एफसी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। पंजाब एफसी का यह मॉडल अब रंग ला रहा है। कुछ ही सालों में, कई अकादमी ग्रेजुएट्स भारत की अंडर-16, अंडर-17, अंडर-19 और सीनियर टीमों का हिस्सा बन चुके हैं। यह स्ट्रक्चर्ड पाथवे यह सुनिश्चित करता है कि आज अंडर-8 में ट्रेनिंग शुरू करने वाला बच्चा सीधे इंडियन सुपर लीग (आइएसएल) तक का सफर तय कर सके।

दलीप ट्रॉफी फाइनल: सेंट्रल जोन का स्कोर 200 रन पार, कप्तान रजत पाटीदार शतक लगाकर आउट, साउथ जोन 149 रन पर ऑलआउट

नई दिल्ली, एजेंसी। दलीप ट्रॉफी 2025 का फाइनल मुकाबला सेंट्रल जोन और साउथ जोन के बीच बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड पर खेला जा रहा है।

आज यानी शुक्रवार को मुकाबले का दूसरा दिन है। सेंट्रल जोन ने आज अपनी पहली पारी को 50/0 के स्कोर से आगे बढ़ाया। खबर लिखे जाने तक टीम ने 5

विकेट के नुकसान पर 276 रन बना लिए हैं। कप्तान रजत पाटीदार शतक (101 रन) लगाकर आउट हुए। ओपनर अक्षय वाडकर 22, दानिश मालेवार 53 और शुभम शर्मा 6 रन बनाकर आउट हुए। इससे पहले, गुरुवार को साउथ जोन पहली पारी में 149 रन पर ऑलआउट हो गई। सेंट्रल जोन ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी थी। सारांश जैन को 5 विकेट साउथ जोन पहली पारी में 149 रन पर ही सिमट गई। टीम के लिए कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। टीम के लिए तन्मय अग्रवाल ने सबसे ज्यादा 31 रन बनाए। उनके अलावा सलमान निजार 24, अंकित शर्मा 20, रिकी भुई 15 और एमडी निधेश 12 रन बनाए। सेंट्रल जोन की ओर से सारांश जैन ने 5 और कुमार कार्तिकेय ने 4 विकेट झटके।